वर्ष-10//अंक-28//जनवरी// 2024

ISSN 2454–5805

RNI NO.: CHHHIN/2013/50684

आम आदमी पत्रिका®

एक आम इंसान की सोच

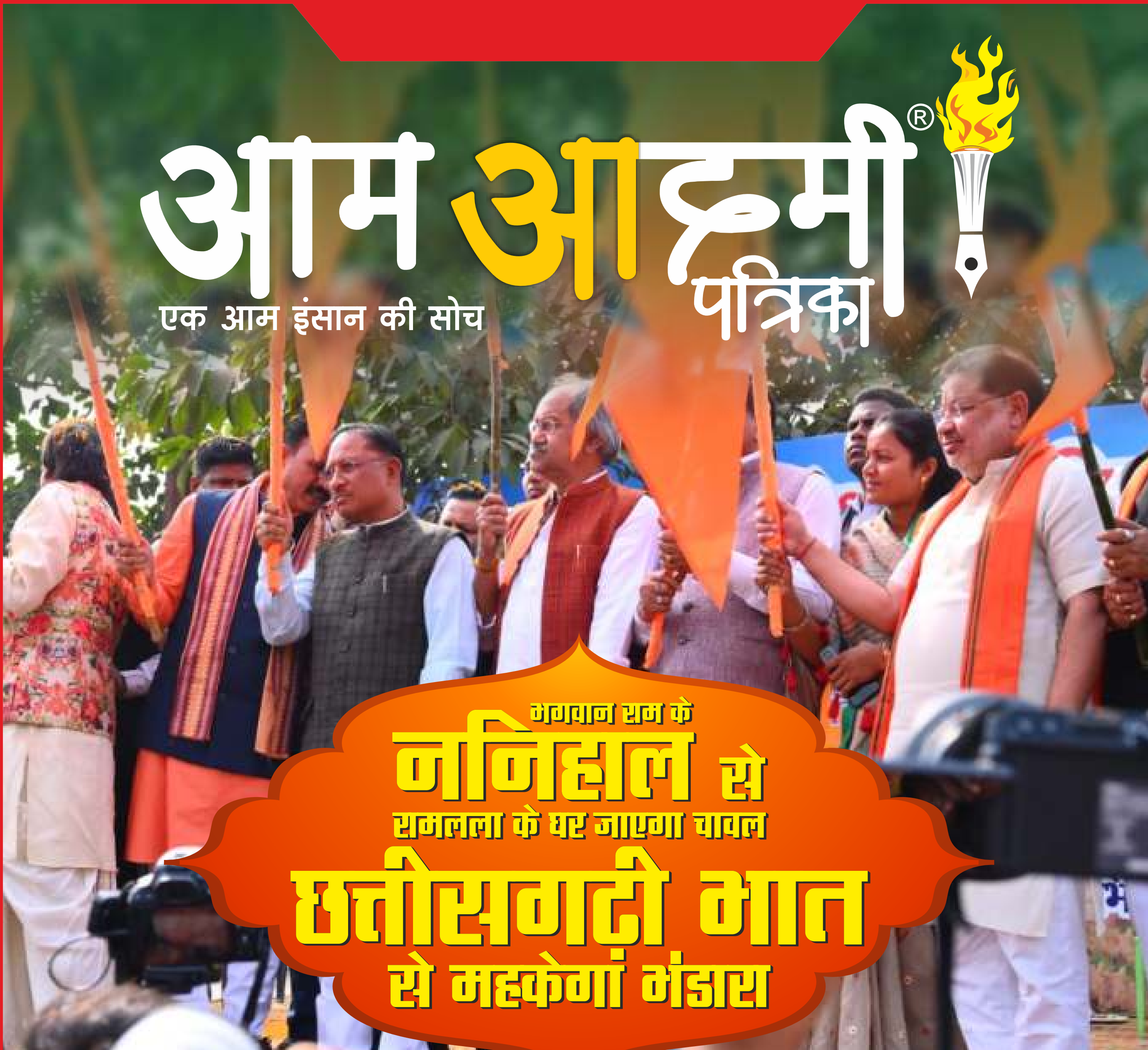

भगवान राम के ननिहाल से रामलला के घर जाएगा चावल

छत्तीसगढ़ी भात से महकेगा भंडारा

सरकार ने पकड़ी रफ्तार... मंत्रियों ने ली बैठक, दिए कई निर्देश

देश-विदेश से रामलला के लिए आएंगे उपहार, काशी के पंडित राम मंदिर में करेंगे भगवान की प्राण प्रतिष्ठा

25

1 Kg सोना और 7 किलो चांदी से तैयार रामलला की चरण पादुकाएं, देखिए तस्वीरें

29

रामलीला, कथा, कीर्तन... प्राण प्रतिष्ठा के बाद भी 'राममय' रहेगी अयोध्या

36

राहुल, सोनिया, येचुरी.. राम के अंगने में कौन-कौन?

eyes events & advertising

CREATIVITY
IS TAKING A SIMPLE THING AND BRINGING IT TO LIFE

EVENTS | EXHIBITIONS | CORPORATE FILMS | VIDEO COMMERCIAL

Mo. : 97555-23831 www.eyesevents.in Follow us on

आम आदमी पत्रिका
वर्ष-10//अंक-28//जनवरी// 2024

प्रबंध संपादक	:	उमेश के बंसी
सर्कुलेशन इंचार्ज	:	प्रकाश बंसी
रिपोर्टर	:	नेहा श्रीवास्तव
कंटेंट राईटर	:	प्रशांत पारीक
क्रिएटिव डिजाइनर	:	देवेन्द्र देवांगन
मैग्ज़ीन डिज़ाइनर	:	आइज इवेंट्स
मार्केटिंग मैनेजर	:	किरण नायक
एडमिनिस्ट्रेशन	:	कुसुम श्रीवास्तव
अकाउंट असिस्टेंट	:	प्रियंका सिंह
ऑफिस कॉर्डिनेटर	:	योगेन्द्र बिसेन

प्रधान कार्यालय
965/1 कक्कड़ चौक, श्याम नगर रोड,
कटोरा तालाब,रायपुर, छत्तीसगढ़
फोन : 0771-4044047
ईल : khabar@aamaadmi.in
कार्यालय
प्लाट नं.118, कंचन बाग, राजनांदगांव

प्रकाशक
उमेश कुमार बंसी, क्वाटर नंबर 10, एम.एम. रियल स्टेट कॉलोनी, अमलीडीह, रायपुर (छत्तीसगढ़) से प्रकाशित एवं मुद्रित

विशेष- इस पत्रिका में प्रकाशित लेखों में दिये गए विचार, लेखकों के अपने है। इसमें संपादक / मुद्रक की सहमति अनिवार्य नहीं है। किसी भी प्रकार के विवाद की स्थिति में संपादक / मुद्रक जिम्मेदार नहीं होगा। इस पत्रिका से संबंधित किसी भी विवाद के लिए सुनवाई क्षेत्र रायपुर न्यायालय होगा।

अनुक्रमणिका

जनवरी 2024

इस अंक में

छत्तीसगढ़ में मंत्रियों को मिले विभाग, CM विष्णु के पास 5 मंत्रालय

रायपुरः छत्तीसगढ़ में लंबे समय के इंतजार के बाद अब मंत्रियों के विभाग का बंटवारा हो चुका है. इसके लिए सामान्य प्रशासन विभाग ने आदेश भी जारी कर दिए हैं. मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने अपने पास पांच विभाग रखे हैं. इसके साथ ही दोनों डेप्युटी सीएम को भी अहम विभाग दिए गए हैं. आइए जानते हैं, किस मंत्री को कौन सा विभाग मिला है. 26

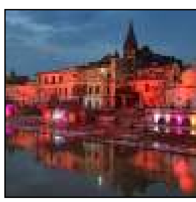

1200 एकड़ में नई टाउनशिप, हर दिन 3 लाख पर्यटकों की तैयारी, 08

अयोध्याः अयोध्या में भव्य राम मंदिर निर्माण के प्रथम चरण को निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरा करा लिया गया है. प्रथम चरण के कार्यों का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 22 जनवरी को करेंगे.

CG की नई सरकार का बड़ा फैसलाः कृषि विभाग की जमीनों पर अतिक्रमण करने वालों पर होगी सख्त... 11

रायपुर. कृषि विकास एवं किसान कल्याण तथा जैव प्रौद्योगिकी मंत्री श्री रामविचार नेताम ने वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक लेकर विभागीय काम-काज की प्रगति की समीक्षा की.

अयोध्या में 22 जनवरी को होगी अभेद्य सुरक्षा, सिर्फ वही आ सकेंगे जिन्हें न्यौता मिला है 14

अयोध्याः रामलला के भव्य मंदिर में विराजमान किए जाने की तैयारियों को पूरा कराया जा रहा है. इस क्रम में सुरक्षा व्यवस्था पुख्ता की जा रही है. राम मंदिर के उद्घाटन यानी 22 जनवरी को लेकर सुरक्षा को चाक-चौबंद किया जा रहा है.

महाराष्ट की लकड़ी, राजस्थान के पत्थर, दक्षिण के पुजारी, गुजरात के आर्किटेक्ट... राम मंदिर के काम में यूं लगा है पूरा हिंदुस्तान 16

अयोध्याः पीएम नरेंद्र मोदी जब 22 जनवरी को राम मंदिर के गर्भगृह में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम का हिस्सा बनेंगे तो उन्हें मंदिर निर्माण में सारे देश की भागीदारी दिखेगी.

अयोध्या के 84 कोसी परिक्रमा क्षेत्र में नहीं बिक पाएगी शराब, 24

अयोध्याः भव्य राम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा से पहले अयोध्या से बड़ी खबर आई है. गुरुवार को यूपी के आबकारी मंत्री नितिन अग्रवाल ने एलान किया कि अयोध्या के 84 कोसी परिक्रमा क्षेत्र में शराब नहीं मिलेगी.

पूर्व मंत्री शिव डहरिया ने खाली किया बंगला, गायब मिला लाखों का सामान 30

रायपुर. प्रदेश में सरकार बदलने के बाद अब पूर्व हो चुके कुछ मंत्रियों ने बंगले खाली कर दिए हैं. ऐसे में कुछ बंगलों से महंगे सामान गायब होने की खबर आ रही है.

विघ्न संतोषियों का नया वितंडा

उमेश के बंसी
(प्रबंध संपादक)

जैसे-जैसे अयोध्या में रामलला के प्राण-प्रतिष्ठा समारोह का दिन करीब आता जा रहा है, कुछ लोगों को यह बात पच नहीं पा रही कि आखिर यह कैसे मुमकिन हो गया? इसलिए वे तरह-तरह के सवाल खड़े करके लोगों के मन में संदेह के बीज बोने में जुट गए हैं. पहले यही लोग भारतीय जनता पार्टी के नेताओं को ताने मारते थे कि 'मंदिर वहीं बनाएंगे, पर तारीख नहीं बताएंगे', लेकिन अब जब तारीख करीब है, तो उनके पेट में मरोड़ उठनी शुरू हो गई है. सनातन प्रेमियों की इस शुभ घड़ी में भी वे अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहे हैं.

अब एक नया शिगूफा छोड़ दिया गया है कि प्राण-प्रतिष्ठा के लिए नई मूर्तियां क्यों लाई जा रही हैं? कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता और मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने सवाल उठा दिया है कि पुरानी मूर्तियां कहां हैं? उनको क्यों नहीं प्रतिष्ठापित किया जा रहा है? सच तो यह है कि ऐसे नेताओं को भव्य मंदिर से कुछ लेना-देना नहीं है, बल्कि ये लोग सिर्फ राजनीति कर रहे हैं. इतने सालों के बाद तो हिंदुओं के आराध्य का विशाल मंदिर बन सका और पूरी दुनिया के सनातन प्रेमियों में खुशी की लहर है, मगर विघ्न संतोषी लोग इस अवसर को भी विवादित बना रहे हैं. कांग्रेस पार्टी को अपने ऐसे नेताओं पर लगाम लगानी चाहिए, क्योंकि उनके कारण ही उत्तर भारत में हिंदुओं के चित्त से यह पार्टी उतरती चली गई.

जिस पार्टी ने रघुपति राघव राजा राम, पतित पावन सीताराम गा-गाकर दशकों तक देश पर राज किया, जिसकी राजीव गांधी सरकार ने गर्भगृह का ताला खुलवाया, उसके पास उत्तर प्रदेश विधानसभा में आज सिर्फ दो विधायक हैं. मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान के विधानसभा चुनाव में अपनी हालिया दुर्गति देखने के बाद भी यदि कांग्रेसियों की अक्ल नहीं खुल रही, तो फिर राम ही उनके मालिक हैं.

मगर जहां तक राम मंदिर में भगवान की प्रतिमा का सवाल है, तो वहां जो भी प्रतिमा स्थापित होगी, वह कोटि-कोटि हिंदुओं की आस्था से जागृत होगी. सनातन धर्म की महिमा से अज्ञानी लोग ही इस या उस मूर्ति का सवाल उठाते हैं? जहां रामजी पैदा हुए, वह भूमि ही धन्य हैय वहां के कण-कण पर प्रभु की विशेष कृपा है. पिछले दिनों जिस प्रतिमा के चयन की खबर तस्वीर सहित छपी, वह बेहद मनोहारी है. इसलिए इस समारोह में किसी किस्म की खलल डालने वालों के बारे में हम तो यही कहेंगे कि भगवान की ही शायद यह लीला है कि ऐसे लोग दुनिया के सामने बेनकाब हो रहे हैं.

हिंडनबर्ग केस में अडानी समूह की एसआईटी जांच नहीं: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली. सुप्रीम कोर्ट ने हिंडनबर्ग मामले में अडानी समूह को राहत देते हुए कथित तौर पर शेयरों की कीमतों में हेराफेरी के आरोपों की जांच विशेष जांच दल (एसआईटी) को सौंपने से इनकार कर दिया.

शीर्ष अदालत ने कहा कि बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) की जांच में हस्तक्षेप की जरूरत नहीं है. इस मामले की जांच एसआईटी या सीबीआई जैसी अन्य एजेंसियों को सौंपने के लिए कोई ठोस आधार नहीं है.

'लंबित मामलों की जांच तेजी से करें' मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने कहा है कि सेबी ने अडानी समूह पर लगे आरोपों से जुड़े 24 में से 22 मामलों में अपनी जांच पूरी कर ली है. अपने फैसले में पीठ ने कहा कि सेबी की ओर से सॉलीसिटर जनरल तुषार मेहता ने जो आश्वासन दिया है, उस पर गौर करते हुए हम सेबी को दो लंबित मामलों की जांच तेजी से पूरी करने का आदेश देते हैं. पीठ ने कहा कि इन दोनों मामलों की जांच पूरी करने के लिए हम सेबी को तीन माह का वक्त देते हैं.

पीठ ने कहा कि 'अदालत को सेबी की नियामक नीतियों में हस्तक्षेप करने से बचना चाहिए. मामले की जांच एसआईटी या सीबीआई को सौंपे जाने के लिए कोई ठोस आधार नहीं है.

पीठ ने कहा कि कानूनध्नीति बनाने में सेबी के नियामक क्षेत्र में प्रवेश करने की उच्चतम न्यायालय की शक्ति का दायरा सीमित है और न्यायिक समीक्षा का दायरा केवल यह देखने के लिए है कि क्या किसी मौलिक अधिकार का उल्लंघन हुआ है.

भगवान राम के ननिहाल से रामलला के घर जाएगा चावल, 300 टन छत्तीसगढ़ी भात से महकेगा भंडारा

रायपुरः अयोध्या में 22 जनवरी को भव्य राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी. इसी दिन विशाल भंडारे का भी आयोजन किया जाएगा. खास बात यह है कि इस विशाल भंडारे में भगवान श्री राम के ननिहाल छत्तीसगढ़ से चावल पहुंचने वाला है. राजधानी रायपुर में इसके लिए तैयारियां तेज कर दी गई है. 11 ट्रक सजाए जा रहे हैं, जिसमें 300 टन चावल रामलला के घर अयोध्या जाएगा.

30 दिसंबर को भगवान श्री राम के ननिहाल छत्तीसगढ़ से मायरा के रूप में 300 टन चावल अयोध्या भेजा जा रहा है. इसे राजधानी रायपुर में स्थित राम मंदिर से मुख्यमंत्री विष्णु देव 30 दिसंबर को रवाना करेंगे. जानकारी के अनुसार यह चावल की खेप एक जनवरी तक अयोध्या पहुंच भी जाएगी. भगवान राम के नलिहाल छत्तीसगढ़ से 3000 क्विंटल सुगंधित चावल भोग के लिए वहां (अयोध्या) पहुंचेंगे. जिसे 30 लाख से ज्यादा रामलला के भक्त ग्रहण करने वाले हैं.

राजधानी रायपुर से राम मंदिर जाने वाले 11 ट्रक सज-धज कर तैयार हो गए हैं. भगवान राम को लगाए जाने वाले विशेष भोग में उनके ननिहाल छत्तीसगढ़ का चावल ही इस्तेमाल किया जाएगा. बताया जा रहा है कि यह अब तक की सबसे बड़ी चावल की खेप होगी जो अयोध्या पहुंचेगी. मुख्यमंत्री विष्णु देव शनिवार दोपहर 12 बजे रायपुर के राम मंदिर से इन ट्रकों को हरी झंडी दिखाकर अयोध्या के लिए रवाना करेंगे.

अयोध्या में होने वाले रामलाल के मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा में देशभर से श्रद्धालु पहुंचने वाले हैं. इन श्रद्धालुओं की संख्या लाखों करोड़ों में होगी.

इस भव्य आयोजन में होने वाले भंडारे में छत्तीसगढ़ के सभी राइस मिलर्स ने मिलकर यह फैसला किया है कि राम के ननिहाल से ही अयोध्या चावल जाएगा. इसके लिए प्रदेश के राइस मिलर्स अच्छे किस्म का सुगंधित चावल इकठ्ठा कर चुके हैं. जब ट्रक अयोध्या के लिए रवाना कर दिए जाएंगे इसके बाद राइस मिलर्स का सम्मान भी किया जाएगा.

1200 एकड़ में नई टाउनशिप, हर दिन 3 लाख पर्यटकों की तैयारी, 10 साल में 85 हजार करोड़ रुपये से होगा अयोध्या का कायाकल्प

अयोध्या: अयोध्या में भव्य राम मंदिर बनकर तैयार हो रहा है. मंदिर निर्माण के प्रथम चरण को निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरा करा लिया गया है. प्रथम चरण के कार्यों का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 22 जनवरी को करेंगे. इससे पहले वे अयोध्या कई परियोजनाओं की सौगात देने आज शहर में पहुंच रहे हैं. पीएम नरेंद्र मोदी अयोध्या में नवनिर्मित महर्षि वाल्मीकि इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पहले चरण की पूरी हुई परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे. साथ ही, अयोध्या धाम रेलवे स्टेशन का भी उद्घाटन होगा. अयोध्या में नई विकसित की गई चार सड़कों का भी उद्घाटन पीएम मोदी करेंगे. अयोध्या से एक अमृत भारत एक्सप्रेस और एक वंदे भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाई जाएगी. अयोध्या को एयर कनेक्टिविटी के साथ- साथ रेल और सड़क कनेक्टिविटी से जोड़ने की योजना को तैयार की गई है. इससे प्रभु राम की नगरी में आने वाले भक्तों को किसी प्रकार की दिक्कत नहीं होगी. विकास की इन तमाम परियोजनाओं के साथ अब अयोध्या को आने वाले भक्तों की भीड़ के लिए तैयार रखने की योजना पर भी काम शुरू किया गया है. इसके लिए अयोध्या में टाउनशिप बसाने की योजना तैयार की गई है. 1200 एकड़ में इस टाउनशिप का निर्माण होगा.

मास्टरप्लान के तहत होगा काम

अयोध्या के लिए मास्टर प्लान 2031 तैयार किया गया है. इसके तहत अयोध्या का पुनर्विकास 85,000 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश के साथ 10 वर्षों में पूरा कराया जाएगा. राम मंदिर के उद्घाटन के बाद शहर में हर रोज करीब 3 लाख भक्तों के आगमन का अनुमान है. उनकी आवश्यकता को पूरा करने के लिए पवित्र शहर को उन्नत किए जाने की योजना तैयार की गई है. इस योजना में 1200 एकड़ में फैली एक अलग नई टाउनशिप की योजना भ्री शामिल है. इस टाउनशिप को अगले पांच वर्षों में लगभग 2200 करोड़ रुपये के निवेश के साथ विकसित किया जाएगा. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज ग्रीनफील्ड टाउनशिप की आधारशिला रखेंगे.

अयोध्या बनेगा वैश्विक पर्यटन स्थल

सूत्रों का कहना है कि अयोध्या एक वैश्विक पर्यटन स्थल बनने वाला है. यहां देश- विदेश से रामभक्तों का आना- जाना होगा. उनके लिए पर्याप्त सुविधाओं का विकास किया जाना जरूरी है. इससे भक्त बार- बार प्रभु रामलला के दरबार में आना पसंद करेंगे. तैयार की रही योजना इस बात को ध्यान में रखा जा रहा है कि राम मंदिर की प्रतिष्ठा के बाद आध्यात्मिकता, सांस्कृतिक विरासत को समेट स्थानों और घटनाओं को प्रदर्शित किया जाएगा. इससे यहां आने वाले पर्यटकों को भी एक अलग अनुभव हो सकेगा.

मास्टर प्लान में तैयार की गई है शहर की बाउंड्री

अयोध्या विकास प्राधिकरण की ओर से 875 वर्ग किलोमीटर की बाउंड्री का निर्धारण किया गया है. प्रभु श्रीराम की नगरी में बुनियादी ढांचे और पर्यटन विकास में पहचान को भी समाहित किया जाएगा. मास्टर प्लान के तहत अयोध्या के 133 वर्ग किलोमीटर के मास्टर नियोजित शहर क्षेत्र को भी शामिल किया गया है. इसमें 31.5 किलोमीटर का मुख्य शहर सम्मिलित है. आर्किटेक्ट और टाउनशिप प्लानर दीक्षु कुकरेजा की फर्म को अयोध्या का विजन डाक्यूमेंट तैयार करने का जिम्मा दिया गया है. वे कहते हैं कि डिजाइन विजन में सभी आधुनिक सुविधाएं शामिल हैं. इसमें 21वीं सदी के एक विश्वस्तरीय शहर की तमाम सुविधाओं को जोड़ा गया है. साथ ही, इस प्राचीन शहर के इतिहास और संस्कृति को भी विजन डाक्युमेंट में तबज्जो दी गई है.

दीक्षु कुकरेजा कहते हैं कि अयोध्या की स्थायी प्लानिंग में सही संतुलन बनाने पर ध्यान केंद्रित किया गया है. यहां आगंतुकों की बाहरी लोगों के आने से स्थायी निवासियों का जीवन बाधित नहीं होना चाहिए, यह महत्वपूर्ण है. अयोध्या को जो बात अधिकांश शहरों से अलग करेगी, वह इसकी प्लानिंग में आम आदमी के लिए सार्वजनिक स्थानों पर ध्यान केंद्रित करना है, न कि केवल शानदार इमारतें बनाने का प्रयास है.

मंदिर निर्माण के बाद बढ़ेंगे पर्यटक

राम मंदिर के निर्माण के बाद अयोध्या में धार्मिक पर्यटन में बूम का अनुमान है. एक अनुमान के मुताबिक, राम मंदिर और शहर के पुनर्विकास के पूरे होने के बाद शहर में निवासियों एवं पर्यटकों का अनुपात 1रू10 होने की संभावना है. यह तीर्थयात्रियों को आकर्षित करने की इसकी विशाल क्षमता को प्रदर्शित करता है. सूत्रों ने कहा कि ग्रीनफील्ड टाउनशिप में सभी प्रकार के आगंतुकों के लिए राज्य अतिथि गृह, होटल और आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए वाणिज्यिक परिसरों का प्रावधान होगा.

प्रमुख पर्यटक आकर्षणों में शहर की विरासत संपत्तियों की सुरक्षा, मुख्य शहर क्षेत्र और मंदिर प्रभाव क्षेत्र की रेट्रोफिटिंग और पुनर्विकास शामिल होगा. 108 एकड़ में फैले राम मंदिर क्षेत्र के आसपास निर्बाध एकीकरण और सरयू नदी के तट के विकास पर विशेष ध्यान दिया जाएगा. योजना में पर्याप्त सुविधाओं के साथ तीन सर्कुलर सड़कों (परिक्रमा मार्ग) का विकास भी शामिल है.

राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के दौरान गर्भगृह में मौजूद रहेंगे 5 लोग

अयोध्याः अयोध्या में प्रभु रामलला के नवनिर्मित मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम की तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है. इसको लेकर विशेष कार्यक्रम तैयार किए जा रहे हैं. मंदिर के उद्घाटन समारोह को लेकर अयोध्या को अलग ही लुक दिया गया है. पूरे शहर को सजाया गया है. वहीं, प्राण प्रतिष्ठा समारोह के दौरान राम मंदिर में मौजूद रहने वाले गणमान्य के नाम भी सामने आ गए हैं. दरअसल, मंदिरों में भगवान के प्राण प्रतिष्ठा का समारोह काफी अलग प्रकार का होता है. इस दौरान कुछ ही लोगों के गर्भगृह में मौजूदगी होती है. रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के दौरान भी गर्भगृह में केवल पांच लोग रहेंगे.

इस यज्ञ के यजमान के रूप में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंदिर के गर्भगृह में उपस्थित रहेंगे. उनके अलावा यूपी की राज्यपाल आनंदी बेन पटेल, संघ प्रमुख मोहन भागवत, यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ और राम मंदिर के मुख्य पुजारी आचार्य सत्येंद्र दास इस कार्यक्रम के दौरान मौजूद रहेंगे.

रामलला के आंखों से हटाई जाएगी पट्टी

नए मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के कार्यक्रम की रूपरेखा भी सामने आई है. भगवान राम के बालरूप प्रभु रामलला की प्रतिमा की आंखों पर पट्टी लगी होगी. 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा समारोह के दौरान उनकी आखों से यह पट्टी हटाई जाएगी. इस समय पीएम नरेंद्र मोदी गर्भगृह में मौजूद रहेंगे. प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के लिए आचार्यों की तीन टीमों का गठन किया गया है.

आचार्यों के पहली टीम की अगुआई स्वामी गोविंद देव गिरी करेंगे. वहीं, आचार्यों की दूसरी टीम को कांची कामकोटि शंकराचार्य विजयेंद्र सरस्वती लीड करेंगे. आचार्यों की तीसरी टीम में काशी के 21 विद्वान रहेंगे.

कुछ ऐसे होगी पूरी प्रक्रिया

रामलला की प्राण प्रतिष्ठा की प्रक्रिया का भी विवरण भी सामने आया है. शास्त्रों के अनुसार, प्राण- प्रतिष्ठा के समय गर्भगृह का परदा बंद रहता है. पट्टी हटाने के बाद मूर्ति को आइना दिखाया जाता हैं. मान्यता है कि भगवान अपने नए आवास में पहले खुद का चेहरा देखते हैं. इसके बाद वे अपने धाम से भक्तों को दर्शन देते हैं. इसको लेकर विधि को पूरा कराए जाने की तैयारी की गई है. पूरे शहर को इस कार्यक्रम के लिए सजाया जा रहा है.

शहर की प्रमुख सड़कों को सूरज की थीम वाले स्तंभों से सजाया जा रहा है. 30 फीट ऊंच स्तंभों पर एक सजावटी गोला बना हुआ है. यह रात की लाइटिंग में सूर्य का आभास देता है. धर्म पथ पर ऐसे 40 स्तंभ लगाए जा रहे हैं.

CG की नई सरकार का बड़ा फैसला:

कृषि विभाग की जमीनों पर अतिक्रमण करने वालों पर होगी सख्त ...

रायपुर. कृषि विकास एवं किसान कल्याण तथा जैव प्रौद्योगिकी मंत्री श्री रामविचार नेताम ने अटल नगर नवा रायपुर स्थित मंडी बोर्ड के सभाकक्ष में वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक लेकर विभागीय काम-काज की प्रगति की समीक्षा की. उन्होंने कहा कि कृषि विभाग प्रदेश के किसानों और आम नागरिकों से जुड़ा महत्वपूर्ण विभाग है. किसानों की सुविधा और बेहतरी के लिए प्राथमिकता के साथ योजनाओं का बेहतर क्रियान्वयन किया जाए. उन्होंने प्राथमिकता के तौर पर केन्द्रीय और राज्य प्रवर्तित योजनाओं का गुणवत्तापूर्वक और बेहतर ढंग से क्रियान्वयन करने को कहा.

समीक्षा बैठक में मंत्री नेताम ने किसानों को पर्याप्त मात्रा में रासायनिक खाद उपलब्ध कराने के लिए अधिकारियों को विशेष पहल करने के निर्देश दिए. उन्होंने कहा कि किसानों को गुणवत्तापूर्ण खाद उपलब्ध कराने सरगुजा में भी फर्टिलाईजर लैब की स्थापना की जाए. मंत्री नेताम ने कृषि विभाग के अंतर्गत सभी संस्थाओं के लिए उपलब्ध जमीनों की पुख्ता जानकारी होने के साथ-साथ अवैध कब्जाधारियों पर तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए. उन्होंने प्रदेश के सभी विकासखण्डों में नर्सरी विकसित करने कार्ययोजना बनाने के निर्देश अधिकारियों को दिए.

मंत्री नेताम ने केसीसी ऋण की प्रगति की भी समीक्षा की. उन्होंने कहा कि अभी भी गांवों में विशेषकर आदिवासी अंचलों में सभी किसानों का क्रेडिट कार्ड नहीं बना है. योजना का प्रचार-प्रसार कर प्राथमिकता के तौर पर शत-प्रतिशत किसानों के क्रेडिट कार्ड बनाने की दिशा में काम किया जाए, ताकि सभी किसानों को योजना का लाभ मिल सके. उन्होंने किसानों के प्रशिक्षण पर भी विशेष बल दिया.

मंत्री श्री नेताम ने कहा कि कृषि विज्ञान केन्द्र के साथ समन्वय कर ज्यादा से ज्यादा संख्या में किसानों को अलग-अलग फसलों की उन्नत कृषि के संबंध में प्रशिक्षण देने के भी निर्देश दिए.

मंत्री नेताम ने कृषि विभाग के अंतर्गत संचालित प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, प्रधानमंत्री सिंचाई योजना, खाद्य एवं पोषण सुरक्षा योजना, कृषि या यांत्रिकीकरण योजना, रेन फेड डेव्हलपमेंट योजना, स्वायल हेल्थ मैनेजमेंट योजना, मिलेट मिशन, कृषि सिंचाई जल ग्रहण विकास योजना सहित उद्यानिकी विभाग, कृषि विकास एवं बीज निगम तथा मंडी बोर्ड की योजनाओं तथा विकास कार्यों की समीक्षा की.

बैठक में कृषि उत्पादन आयुक्त डॉ. कमलप्रीत सिंह, सचिव नगरीय प्रशासन डॉ. अय्याज फकीर भाई तंबोली, मंडी बोर्ड के प्रबंध संचालक यशवंत कुमार सहित उद्यानिकी, वानिकी एवं कृषि बीज निगम के संचालक व अन्य विभागीय वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे.

सरकार ने पकड़ी रफ्तार...
मंत्रियों ने ली बैठक, दिए कई निर्देश

रायपुर. विष्णुदेव साय सरकार के कामकाज में तेजी आने लगी है. साय सरकार के मंत्रियों ने मंत्रालय में कार्यभार करने के बाद से लगातार विभागीय कार्यों की समीक्षा में जुट गए हैं. बुधवार को साय सरकार के दो डिप्टी सीएम अरुण साव, विजय शर्मा और दो मंत्री राम विचार नेताम और केदार कश्यप ने मंत्रालय में अपने-अपने प्रभार वाले विभागों के अधिकारियों की बैठक लेकर योजनाओं और कार्यों की समीक्षा की. साथ ही अधिकारियों को मोदी सरकार की गांरटी पूरा करने में जुट जाने और भाजपा की घोषणा पत्र के अनुरूप कार्य संपादित करने के निर्देश दिए.

निर्माण कार्यों की गुणवत्ता से समझौता नहीं, समय पर पूरा करें कामः साव

उप मुख्यमंत्री अरूण साव ने लोक निर्माण, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी और नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के अधिकारियों से कहा, निर्माण कार्यों की श्रेष्ठ गुणवत्ता पहली प्राथमिकता होनी चाहिए. इसमें किसी प्रकार का कोई समझौता नहीं हो. सभी कार्यों को समय-सीमा में पूरा करें, वरना संबंधित अधिकारी जवाबदेह होगा. उप मुख्यमंत्री साव ने तीनों विभागों की दक्षता बढ़ाने, तेजी से काम पूरा करने, कार्यों की गुणवत्ता बढ़ाने और बेहतर मॉनिटरिंग के लिए कार्यप्रणाली में सुधार लाने के निर्देश दिए. उन्होंने निर्माण और मरम्मत के कार्यों में नई तकनीकों का उपयोग को बढ़वा देने के निर्देश दिए.

पुलिस के प्रति जनता में विश्वास और अपराधियों में भय व्याप्त होः शर्मा

राज्य पुलिस मुख्यालय में उप मुख्यमंत्री एवं गृहमंत्री विजय शर्मा ने अधिकारियों की बैठक ली. पीएचक्यू में पहुंचने के बाद पहले उन्होंने हनुमानजी की पूजा की. इसके बाद सुबह करीब 11.30 बजे से दोपहर 2.30 बजे तक 3 घंटे राज्य पुलिस के कामकाज की समीक्षा की. इस दौरान गृहमंत्री एवं डिप्टी सीएम ने कहा कि पुलिस ऐसा काम करें, जिससे जनता में विश्वास और अपराधियों में भय व्याप्त हो. उन्होंने कानून व्यवस्था की समीक्षा करते हुए कहा कि प्रो-एक्टिव पुलिसिंग करते हुए किसी भी घटना को गंभीरता से लेते हुए कम से कम समय में कार्यवाही पूर्ण होनी चाहिए. अधिकारियों से कहा कि अपने कामकाज का तरीका सुधारें. ताकि जनता में विश्वास की भावना जागृत हो. किसी को अनावश्यक पुलिस और थाना का चक्कर न लगाना पड़े. उन्होंने दो टूक कहा कि पुलिसिंग को बेहतर बनाने की दिशा में काम करें. पुलिस भर्ती की प्रक्रिया निर्धारित समय सीमा में पूरी कर नियुक्ति के आदेश जारी करने के निर्देश दिए. कर्मचारियों के आवास एवं अधोसंरचना के संबंध में कार्य योजना तैयार कर देने कहा. साथ ही सायबर अपराधों से निपटने के लिए अनुसंधान के लिए अत्याधुनिक लैब को तैयार करने कहा.

गृह मंत्री ने गुजरात एवं अन्य राज्यों की तर्ज पर सायबर इन्वेस्टिगेशन, क्राईम डिजिटलाईजेशन एवं अधोसंरचना विकास का अध्ययन कर प्रभावी कार्य योजना तैयार करने कहा. कर्मचारियों के कल्याण और नक्सली हिंसा में घायल कर्मचारियों के लिए त्वरित एवं संवेदनशील के साथ काम करने कहा. समीक्षा बैठक में डीजीपी अशोक जुनेजा, गृह विभाग के सचिव डॉ. बसवराजू, अरूणदेव गौतम, एडीजी हिमांशु गुप्ता, एसआरपी कल्लूरी, प्रदीप गुप्ता, विवेकानंद, अमित कुमार, आईजी सुशीलचंद द्विवेदी, डॉ. संजीव शुक्ला के साथ ही पीएचक्यू एवं गृह विभाग के अधिकारी बैठक में उपस्थित थे.

नशीले पदार्थों की तस्करी रोकने विशेष सेल

बैठक के दौरान डीजीपी अशोक जुनेजा एवं अधिकारियों ने अपने विभागों का ब्यौरा दिया. साथ ही गृह मंत्री को बताया कि नशीले पदार्थों की तस्करी करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने विशेष सेल बनाया गया है. पुलिस, ड्रग कंट्रोलर एवं नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के साथ समन्वय स्थापित कर नशीले पदार्थों की तस्करी रोकने विभागीय अमले को निर्देश दिए गए हैं. बैठक के दौरान गृहमंत्री ने आधारभूत पुलिसिंग को मजबूत करने कहा. बताया जाता है कि पहली समीक्षा बैठक को देखते हुए राज्य पुलिस के अधिकारी होमवर्क करने के बाद पहुंचे थे. बैठक में उन्होंने अपने-अपने विभाग का प्रेजेंटेशन भी दिया.

आदिमजाति विकास के कार्यों से राज्य की बने अलग पहचान

मंत्री रामविचार नेताम ने राष्ट्रीय ट्राइबल रिसर्च इंस्टीटयूट सभा कक्ष में वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक ली. उन्होंने कहा, आदिमजाति विकास के तहत ऐसा कार्य करें कि छत्तीसगढ़ की देश- दुनिया में एक अलग पहचान बने. आदिमजाति, अनुसूचितजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक समाज के सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक विकास के लिए संवेदन शीलता के साथ कार्य किया जाए. उन्होंने छात्र-छात्राओं के स्वस्थ तन, स्वस्थ मन की दृष्टिकोण से आश्रम-छात्रवास परिसर में जिम स्थापित करने के निर्देश अधिकारियों को दिए. बैठक में सचिव डी. डी. सिंह और शम्मी आबिदी सहित अधिकारी मौजूद रहे. मंत्री नेताम ने राज्य के संरक्षित जनजातियां बैगा, कमार, बिरहोर, पहाड़ी कोरवा, पण्डो, अबूझमाड़ के

विकास के लिए भी ठोस कार्ययोजना बनाने पर जोर दिया. उन्होंने कहा, बस्तर और सरगुजा संभाग के विभिन्न क्षेत्रों के वन अधिकार पत्रों के संबंध में शिकायतें मिल रही है. सभी पात्र लोगों को वन अधिकार पत्र मिले. उन्होंने रिसर्च संेटर परिसर में तैयार हो रहे शहीद वीर नारायण सिंह म्यूजियम सह मेमोरियल कैम्पस का पावर पाइंट प्रेजेंटेशन दिया गया.

कमीशन मांगने वाले मैनेजर के खिलाफ होगी एफआईआरः केदार कश्यप

किसानों के दो साल के बकाया बोनस के भुगतान को लेकर सरकार सख्त हो गई है. इसे लेकर बुधवार को सहकारिता मंत्री केदार कश्यप ने सहकारिता विभाग के अधिकारियों को सख्त हिदायतें दी है. उन्होंने कहा, किसानों द्वारा राशि के आहरण के समय बैंकर्स द्वारा टाल-मटोल किए की शिकायत मिली तो संबंधित बैंकर्स के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए. सहकारी बैंक करगीरोड में किसानों के बोनस के बदले कमीशन मांगने वाले प्रभारी शाखा प्रबंधक पर एफआईआर दर्ज कराने के भी निर्देश दिए हैं. बता दें कि कमीशन मांगने पर बिलासपुर कलेक्टर ने करगीरोड के प्रभारी शाखा प्रबंधक हरीश कुमार वर्मा को निलंबित किया था.

बैठक में मंत्री कश्यप ने बैठक में अधिकारियों को धान की व्यवस्था पर भी कड़ी निगरानी रखने के निर्देश दिए. उन्होंने कहा कि किसानों को धान बेचने में किसी भी तरह की दिक्कत न आए और उन्हें सहजता से टोकन, बारदाना उपलब्ध हो यह तय करना भी अधिकारियों की जिम्मेदारी है. धान उपार्जन के मामले में किसानों से राशि की मांग करने वालों के विरुद्ध भी कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए.

मंत्री कश्यप ने कहा कि ऐसे किसान जिनका बैंक खाता त्रुटिपूर्ण अथवा अन्य कारणों से बोनस राशि का भुगतान नहीं हो सका है. उसका तत्काल निराकरण किया जाना चाहिए. उन्होंने अधिकारियों को ऐसे किसानों के नामों की सूची भी संबंधित सोसायटी के सूचना पटल पर चस्पा करने के निर्देश दिए. अधिकतम एक माह की समयावधि में किसानों के बैंक खातों का सुधार कर उन्हें राशि का भुगतान अनिवार्य रूप से किया जाए.

राजनांदगांव में लक्ष्य से अधिक कर्ज, होगी जांच

मंत्री ने बैठक में किसानों को प्रदाय किए जाने वाले अल्पकालीन कृषि ऋण की समीक्षा की. बैठक में जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक राजनांदगांव द्वारा लक्ष्य के विरुद्ध अत्यधिक ऋण वितरण पर संयुक्त पंजीयक को जांच के निर्देश दिए गए.

अयोध्या में 22 जनवरी को होगी अभेद्य सुरक्षा, सिर्फ वही आ सकेंगे जिन्हें न्यौता मिला है

अयोध्याः उत्तर प्रदेश के अयोध्या में रामलला के भव्य मंदिर में विराजमान किए जाने की तैयारियों को पूरा कराया जा रहा है. इस क्रम में सुरक्षा व्यवस्था पुख्ता की जा रही है. राम मंदिर के उद्घाटन यानी 22 जनवरी को लेकर सुरक्षा को चाक- चौबंद किया जा रहा है. बाहरी लोगों के अयोध्या में प्रवेश पर पाबंदी रहेगी. अयोध्या में केवल आमंत्रित व्यक्तियों और सरकारी ड्यूटी में लगे लोगों के ही रहने के निर्देश दिए गए हैं. अयोध्या राम मंदिर उद्घाटन समारोह की तैयारियों को लेकर प्रशासनिक स्तर पर बैठकों का दौर लगातार चल रहा है. राम मंदिर का उद्घाटन एक बड़ा आयोजन माना जा रहा है. इस प्रकार के आयोजन में किसी प्रकार का विघ्न न उत्पन्न हो, इसके लिए तैयारियों को पुख्ता बनाया जा रहा है.

सीएम योगी ने की समीक्षा

रामलला के नए मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा समारोह की तैयारियों को लेकर सीएम योगी आदित्यनाथ अयोध्या पहुंचे. उन्होंने तैयारियों का जायजा लिया. समीक्षा के दौरान कहा गया कि 22 जनवरी को नवनिर्मित राम मंदिर में अभिषेक समारोह के दिन केवल राम मंदिर ट्रस्ट या सरकारी ड्यूटी से वैध निमंत्रण वाले लोगों को ही अयोध्या में प्रवेश करने की अनुमति दी जाएगी. गुरुवार को अयोध्या में समीक्षा बैठक के दौरान सीएम योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या के अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे स्थानीय होटल मालिकों को जहां तक संभव हो, अन्य लोगों की एडवांस बुकिंग रद्द करने के लिए कहें. ट्रस्ट की ओर से आमंत्रित लोगों को प्राथमिकता देने का निर्देश दिया जाए.

तीर्थयात्रियों की ठहराने की होगी व्यवस्था

सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आमंत्रित लोगों को ठहराने की विशेष व्यवस्था की जाए. उन्होंने निर्देश दिया कि न्यास की ओर से अयोध्या में तीर्थयात्रियों के ठहरने की व्यवस्था हो. इसके साथ-साथ तीर्थयात्रियों के लिए निर्धारित दरों पर धर्मशाला एवं होटल आदि में ठहरने की भी व्यवस्था की जाए. 22 जनवरी को केवल वही लोग अयोध्या आ सकेंगे, जिनके पास निमंत्रण पत्र है या सरकारी ड्यूटी पर तैनात हैं.

सीएम योगी ने कहा कि यह देखने में आया है कि कुछ लोगों ने 22 जनवरी को प्राण-प्रतिष्ठा समारोह के दिन स्थानीय होटलों और धर्मशालाओं को बुक किया है. इसे रद्द किया जाना चाहिए ताकि प्रबंधन में कोई समस्या न हो, क्योंकि उस दिन पूरे भारत से विशेष आमंत्रित लोग आएंगे.

अयोध्या में उतर सकते हैं 100 विमान

सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अधिकारी अयोध्या के विभिन्न ठहरने वाले स्थानों पर जाएं. आमंत्रित अतिथियों के दौरे के लिए ठहरने की व्यवस्था की जांच करें. सीएम योगी ने कहा कि 22 जनवरी के कार्यक्रम को लेकर अयोध्या इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर 100 विमान उतर सकते हैं. इसके लिए उन्होंने अयोध्या प्रशासन से ट्रैफिक डायवर्जन प्लान तैयार रखने का निर्देश दिया है, ताकि किसी प्रकार की अव्यवस्था न उत्पन्न हो.

अयोध्या के डीएम नितीश कुमार ने बताया कि हम होटलों की ओर से की गई बुकिंग की जांच कर रहे हैं. उन कस्टमर की जानकारी ली जा रही है, जिन्होंने कमरों की बुकिंग कराई गई. अगर किसी प्रकार की गड़बड़ी मिलती है तो हम आवश्यक कार्रवाई करेंगे.

महाराष्ट्र की लकड़ी, राजस्थान के पत्थर, दक्षिण के पुजारी, गुजरात के आर्किटेक्ट... राम मंदिर के काम में यूं लगा है पूरा हिंदुस्तान

अयोध्याः पीएम नरेंद्र मोदी जब 22 जनवरी को राम मंदिर के गर्भगृह में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम का हिस्सा बनेंगे तो उन्हें मंदिर निर्माण में सारे देश की भागीदारी दिखेगी. मंदिर के निर्माण में कई प्रांतों के कारीगरों ने अपनी कारीगरी दिखाई है. पत्थरों को तराशने के काम में राजस्थान, ओडिशा और मध्य प्रदेश के शिल्पकारों ने बढ़-चढ़कर लंबे समय से काम किया. वहीं इसमें लगने वाले पिंक कलर के सैंड स्टोन राजस्थान के भरतपुर के वंशीपहाडपुर गांव के लगे हैं. पिंक कलर के ये पत्थर सबसे मजबूत माने जाते हैं. मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय का कहना है कि मंदिर निर्माण के कार्य में सारा देश बसता है.

अब मंदिर के भूतल के 14 दरवाजों के ही निर्माण कार्य को देखें तो इसकी लकड़ी महाराष्ट्र के जंगलों की है. जिस निर्माण इकाई को इससे दरवाजे बनवाने का काम सौंपा गया है, वह हैदराबाद की है जबकि दरवाजे की डिजाइनिंग करने वाले कारीगर कन्याकुमारी के हैं. एक ही काम में तीन प्रांतों की भागीदारी है. मंदिर के फर्श मकराना के पत्थरों से बने हैं जबकि इसमें लगने वाले ग्रेनाइट तेलंगाना और कर्नाटक के हैं. उन्होंने बताया कि मंदिर के निर्माण का कॉन्ट्रैक्ट एलऐंडटी कंपनी को दिया गया है. वहीं टाटा के इंजिनियरिंग को भी क्रासचेक के लिए लगाया गया है.

कांस्ट्रक्शन के साथ इसके चीफ आर्किटेक्ट के तौर गुजरात के चंद्रकांत सोमपुरा को नियुक्त किया गया है. मंदिर के निर्माण कार्य में जो 300 से अधिक कारीगर काम कर रहे हैं, उनको भी कार्यकुशलता के आधार पर विभिन्न प्रांतो से चुना गया है. मंदिर की निर्माण व्यवस्था का प्रमुख रूप से देखरेख करने में जहां अहम भूमिका खुद चंपत राय, डॉ. अनिल मिश्र अयोध्या राजघराने से ताल्लुक रखने वाले बिमलेंद्र मोहन प्रताप मिश्र और महंत दिनेंद्र दास यूपी के हैं तो तीसरे जिम्मेदार गोपाल राव दक्षिण के हैं. वहीं ट्रस्टी कामेश्वर चौपाल बिहार के हैं.

रामलला की मूर्ति निर्माण में भी दो प्रांतो के विशेषज्ञ मूर्तिकार

राम मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय के मुताबिक रामलला की 51 इंच की दिव्य और मुख्य प्रतिमा के निर्माण में तीन विशेषज्ञ मूर्तिकार लगाए गए हैं, जो मूर्तियों को श्याम संगमरमर पत्थर से बना रहे हैं. इनमें से दो मूर्तियां कर्नाटक के श्याम पत्थर से तराशी गई हैं. कर्नाटक के गणेश भट्ट और अरूण योगिराज ने श्याम पत्थर से रामलला की प्रतिमा को बनाया है. राजस्थान के जयपुर के सत्यनारायण पांडे ने संगमरमर पत्थर से रामलला की दिव्य प्रतिमा को तराशा है..

रामलला की प्राण प्रतिष्ठा अनुष्ठान के प्रमुख

चंपत राय के मुताबिक 22 जनवरी के सारे वैदिक अनुष्ठान के संचालन के लिए दो विद्वान आचार्यों पंडित लक्ष्मीकांत दीक्षित और गणेश्वर शास्त्री द्रविण को जिम्मेदारी दी गई है. गणेश्वर काशी में रहते जरूर हैं पर हैं ये दक्षिण मूल के. वहीं राम मंदिर के ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्र के मुताबिक फैब्रिकेशन और दरवाजों पर सोने की चादर आदि चढ़ाने का दिल्ली, हरियाणा और पंजाब के कारीगर और एजेंसियां कर रही हैं.

देश-विदेश से रामलला के लिए आएंगे उपहार, काशी के पंडित राम मंदिर में करेंगे भगवान की प्राण प्रतिष्ठा

> अयोध्याः उत्तर प्रदेश के अयोध्या में बन रहे राम मंदिर में रामलला की प्रतिमा की प्राण-प्रतिष्ठा कार्यक्रम के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने अपनी तैयारी तेज कर दी है. पूजित अक्षत गांवों के मंदिरों तक पहुंचा दिए गए हैं. विश्व हिंदू परिषद के केंद्रीय उपाध्यक्ष कामेश्वर चौपाल ने बताया कि देशभर में 4 से 5 लाख गांवों के मंदिरों में आनंदोत्सव की तैयारी और शाम को दीपोत्सव के आयोजन के लिए संघ परिवार की समितियों को जिम्मेदारी सौंपी गई है. चौपाल के मुताबिक 1 जनवरी से 15 जनवरी तक महासंपर्क अभियान चलेगा.

इसके तहत 11 करोड़ परिवारों से संपर्क कर 60 करोड़ लोगों को पूजित अक्षत देकर उन्हें रामलला के दर्शन के लिए आमंत्रित किया जाएगा. दूसरी ओर प्राण-प्रतिष्ठा पर पूर देश भर से उपहार भेजने की सूचना ट्रस्ट को मिली है. इसके अलावा नेपाल के जनकपुर से भी उपहार भेजे जाएंगे.

रामलला को मिलेंगी ये भेंट

- विशेष भोग के लिए रामलला के ननिहाल छत्तीसगढ़ से 3 हजार क्विंटल चावल. इसे छत्तीसगढ़ के जिलों से एकत्र किया गया है.
- भगवान राम की ससुराल नेपाल के जनकपुर से वस्त्र, फल और मेवा. इसके अलावा उपहारों से सजे 1100 थाल.
- नेपाल से आभूषण, बर्तन, कपड़े, 51 प्रकार की मिठाइयां, दही, मक्खन और चांदी के बर्तन.
- उत्तर प्रदेश के एटा जिले से रामलला के दरबार में अष्टधातु का 21 किलो का घंटा. इसे 400 कर्मचारियों ने तैयार किया है.
- प्राण प्रतिष्ठा के लिए गुजरात के वडोदरा से 108 फीट लंबी अगरबत्ती. इसे पंचगव्य और हवन सामग्री के साथ गाय के गोबर से बनाया गया है. इसका वजन 3500 किलो है. यह लगातार डेढ़ महीने तक चलेगी.
- हैदराबाद के श्रीचल्ला श्रीनिवास शास्त्री ने श्रीराम पादुकाओं के साथ अयोध्या की 41 दिनों की परिक्रमा की थी. इसके बाद इन पादुकाओं को रामेश्वरम से बद्रीनाथ तक सभी प्रसिद्ध मंदिरों में ले जाने की बात कही गई थी. प्राण-प्रतिष्ठा के समय इसे अयोध्या लाया जाएगा.

महाबीर ट्रस्ट पटना से 2 करोड़ की धनराशि व 5 लाख का स्वर्ण जड़ित कोदंड तीर-धनुष.

अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा अनुष्ठान से जुड़े सभी कर्मकांड कराने का जिम्मा काशी के वैदिक पंडितों के कंधे पर है. काशी से अयोध्या गए वैदिक विद्वानों की टोली ने बुधवार को भ्रमण कर दो बड़े मंडप तथा हवन कुंडों के निर्माण के लिए मुख्य मंदिर के सामने भूमि चिह्नित की. 2 जनवरी से मंडप और हवन कुंड का निर्माण शुरू होकर 10 जनवरी तक पूर्ण हो जाएगा. इसके बाद 16 जनवरी से रामलला के विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा का अनुष्ठान शुरू होकर 22 जनवरी तक चलेगा.

22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा का शुभ मुहूर्त श्संजीवनीश काशी के प्रकांड वैदिक विद्वान पं. गणेश्वर शास्त्री द्रविड़ ने निकाला है, तो अनुष्ठान में आर्चायत्व की भूमिका में काशी के कर्मकांडी पंडित लक्ष्मीकांत दीक्षित होंगे. तय कार्यक्रम के मुताबिक पंडित लक्ष्मीकांत दीक्षित के पुत्र अरुण दीक्षित के साथ वैदिक विद्वानों ने बुधवार को अयोध्या भ्रमण कर मंडप और हवन कुंडों के लिए भूमि तय कर दी.

नौ हवन कुंड बनाए जाएंगे

पं. गणेश्वर शास्त्री द्रविड़ ने बताया कि प्राण प्रतिष्ठा अनुष्ठान के लिए मुख्य मंदिर के सामने 60-60 फुट आकार के दो मंडप बनाए जाएंगे. एक मंडप में गणेश पूजन और भगवान राम का पूजन होगा, तो दूसरे मंडप में रामलला के विग्रह के स्नान से लेकर अधिवास तक के सभी कर्मकांड कराए जाएंगे. इसी के साथ नौ हवन कुंड बनाए जाएंगे. इन कुंडो की आकृतियां चतुष्कोणीय, पद्मकारा, अर्द्धचंद्र, त्रिकोण, वृत्ताकार, योनिकार, षटकोणीय, अष्टकोणीय होंगी. एक प्रधान कुंड होगा. प्रत्येक कुंड में एक ही समिधा से हवन होगा. समिधा भी काशी से जाएगी.

छत्तीसगढ़ से अयोध्या और फिर संपूर्ण भारत की यात्रा करने निकले मेहुल

छत्तीसगढ़ का मेहुल इन दोनों उल्टे पैर भारत यात्रा पर निकला है. छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव जिले से मेहुल ने भारत यात्रा करते हुए उल्टे पैरों से अपनी इस यात्रा की शुरुआत की है. डोंगरगढ़ से चलते हुए मेहुल छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर पहुंचा जहां मेहुल की मुलाकात प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से हुई. राज्य अतिथि गृह पहुना में भारत भ्रमण यात्री मेहुल लखानी से मुख्यमंत्री साय ने मुलाकात की है. इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने मेहुल को उसकी इस यात्रा के लिए प्रदेशवासियों की ओर से शुभकामनाएं एवं उसके भविष्य की कामना की है.

बता दें कि राजनांदगांव जिले का रहने वाला मेहुल लखानी योग यात्रा की थीम पर भारत नेपाल और भूटान की यात्रा पूरी कर चुका है. अब मेहुल उल्टे पर चलते हुए भारत की यात्रा कर रहा है. पिछले एक सप्ताह पहले मेहुल डोंगरगांव से उल्टे पैर चलते हुए यात्रा शुरू की और आज राजधानी रायपुर पहुंचा है. राजधानी रायपुर में मेहुल ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से मुलाकात की है. बता दे किसी से पहले मेहुल ने साइकिल से नेपाल और भूटान तक 27 महीने में 46000 किलोमीटर की यात्रा पूरी कर चुका है. अब मेहुल छत्तीसगढ़ से सबसे पहले अयोध्या के लिए रवाना हुआ है. फिर वहां से संपूर्ण भारत की यात्रा कर वापस छत्तीसगढ़ पहुंचेगा.

जब यात्रा के दौरान मेहुल को उल्टे पर चलते राजधानी में लोगों ने देखा तो उनके होश उड़ गए. इस यात्रा के दौरान मेहुल से कई लोग मिल रहे हैं. उसके इस विजन के बारे में जान रहे हैं कि आखिरकार वह इतनी कठिन संघर्षों के साथ यात्रा क्यों कर रहा है. मेहुल की यह पदयात्रा सामाजिक सुधार के लिए राष्ट्रीय स्तर पर जन चेतना जगाने के उद्देश्य से इस यात्रा को कर रहा है. इसके साथ ही स्वास्थ्य, प्रकृति, संस्कृति और भारत के गौरवशाली इतिहास को जोड़ने का मेहुल यात्रा के माध्यम से प्रयास में जुटा हुआ है.

राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के भोजन में छत्तीसगढ़ का भात

छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के श्री राम मंदिर से आज 300 मेट्रिक तों चावल अयोध्या भेजा गया है. छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने भव्य राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के लिए भगवा झंडी दिखाते हुए ट्रैकों को अयोध्या के लिए रवाना किया है. छत्तीसगढ़ के सुगंधित चावल से अयोध्या राम जन्म भूमि में भागवान के भोग में भात परोसा जाएगा. प्रदेश के सभी राईस मिलर्स ने मिलकर एक जुटकर फैसले के बाद राम के ननिहाल से अयोध्या भाग भेजा है.

श्री राम मंदिर में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव और मंत्रिमंडल के सदस्यों ने चावल से भरे ट्रक को पूजा पाठ करने के बाद रवाना किया. इसके साथ की सीएम ने भगवान श्री राम माता जानकी से प्रदेश की सुख- समृद्धि के लिए भी प्रार्थना की है. इसके साथ ही मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने कहा है की छत्तीसगढ़ से भगवान श्री राम का गहरा नाता रहा है. इस नाते भगवान राम प्रदेश के भांजे कहलाते हैं, आज छत्तीसगढ़ से भेजा गया चावल राम भक्तों के लिए प्रसाद के तौर पर वितरित होगा.

> छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर से अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के लिए ट्रैकों में भरकर चावल रवाना किया गया है. रायपुर के वीआईपी रोड स्थित राम मंदिर से 300 मैट्रिक टन यानी 3000 क्विंटल सुगंधित चावल के 11 ट्रकों को सीएम साय ने रवाना किया है. रामलला के मंदिर चावल अर्पण समारोह में छत्तीसगढ़ राईस मिलर्स एसोसिएशन ने भगवान राम के ननिहाल छत्तीसगढ़ से जन्मभूमि अयोध्या चावल भेजा है.

आर्टिफिशल चट्टान पर टिका है राम मंदिर का स्ट्रक्चर, स्टील और कंक्रीट का बिल्कुल नहीं हुआ इस्तेमाल

अयोध्या: उत्तर प्रदेश के अयोध्या में बन रहे राम मंदिर की सबसे बड़ी चुनौती यहां की बलुई मिट्टी थी. इसकी डिजाइनिंग से लेकर सभी तकनीकी पहलुओं पर आईआईटी बाम्बे, चेन्नै, गुवाहाटी, एनआईटी सूरत, सेंट्रल बिल्डिंग रिसर्च इंस्टिट्यूट रुड़की, नैशनल जियो रिसर्च इंस्टिट्यूट हैदराबाद के विशेषज्ञों ने मिलकर काम किया है. श्रीरामजन्म भूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने बताया कि 6 एकड़ परिसर की करीब 14 मीटर गहराई तक की पूरी मिट्टी हटाई गई. फिर इसे स्टोन डस्ट और फ्लाई ऐश से भरा गया. इसके बाद 1-1 फीट की 56 आरसीसी संरचना बनाकर कृत्रिम चट्टान बनाई गई है. इसके बाद ऊपर ग्रेनाइट की प्लिंथ तैयार की गई है.

मंदिर की संरचना में स्टील और कंक्रीट का इस्तेमाल नहीं किया गया है क्योंकि इनकी ड्यूरेबिलिटी के कोई प्रमाण नहीं हैं इसलिए मंदिर को पत्थरों से बनाया गया है, जिससे डेढ़-दो हजार साल तक कोई समस्या न आए. मंदिर की पूरी संरचना में करीब 21 लाख क्यूबिक फीट पत्थर लगेंगे. चंपत राय ने बताया कि करीब डेढ़ दशक पहले ही विहिप के पूर्व अध्यक्ष अशोक सिंघल ने एलऐंडटी से मंदिर निर्माण की चर्चा की थी. अब इस कार्य को वही कंपनी पूरा कर रही है.

बुनियादी जरूरतों के लिए आत्मनिर्भर होगा परिसर

चंपत राय ने बताया कि मंदिर परिसर अपनी बुनियादी जरूरतों के लिए आत्मनिर्भर होगा. यहां दो एसटीपी और एक वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट लगाए जाएंगे. 400 फीट नीचे से पानी निकाला जाएगा. मंदिर परिसर में एक फायर स्टेशन होगा जो भूमिगत जलाशय से पानी का इस्तेमाल कर सकेगा. परिसर में बुजुर्गों, दिव्यांगों के लिए प्रवेश द्वार पर लिफ्ट और रैंप भी बनाए जा रहे हैं. 25 हजार लॉकर तीर्थयात्रा सुविधा केंद्र में स्थापित किए जाएंगे, जहां, मोबाइल, पर्स आदि सामान निरूशुल्क जमा कर दर्शन के लिए जाया जा सकेगा.

अमृत भारत की भी सौगात

वंदे भारत के अलावा एक अमृत भारत एक्सप्रेस की भी सौगात मिलनी है. आनंद विहार से दरभंगा तक चलने वाली यह ट्रेन अयोध्या के रास्ते चलेगी. सूत्रों का दावा है कि इस ट्रेन का संचालन वाया लखनऊ भी रहेगा. रेल मंत्री अश्वनी वैष्णव ने सोमवार को नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर अमृत भारत ट्रेन के रेक का निरीक्षण किया. अमृत भारत ट्रेन पुश-पुल तकनीक पर आधारित है. इसमें दो इंजन (एक आगे और एक पीछे की ओर) लगे हैं. इसमें 22 कोच होंगे. महिलाओं और दिव्यांग यात्रियों के लिए भी कोच होंगे. इसकी स्पीड क्षमता 130 किमी प्रति घंटा है.

सात दिन चलेगा प्राण प्रतिष्ठा अनुष्ठान

- **16 जनवरी:** मंदिर ट्रस्ट की ओर से नियुक्त यजमान द्वारा प्रायश्चित, सरयू नदी के तट पर दशविध स्नान, विष्णु पूजन और गोदान होगा.
- **17 जनवरी:** रामलला की मूर्ति के साथ शोभायात्रा अयोध्या भ्रमण करेगी. श्रद्धालु मंगल कलश में सरयू का जल लेकर मंदिर पहुंचेंगे.
- **18 जनवरी:** गणेश अंबिका पूजन, वरुण पूजन, मातृका पूजन, ब्राह्मण वरण, वास्तु पूजन आदि से विधिवत अनुष्ठान आरंभ होगा.
- **19 जनवरी:** अग्नि स्थापना, नवग्रह स्थापन और हवन होगा.
- **20 जनवरी:** मंदिर के गर्भगृह को सरयू के जल से धोने के बाद वास्तु शांति और अन्नाधिवास कर्मकांड होंगे.
- **21 जनवरी:** 125 कलशों से मूर्ति के दिव्य स्नान के बाद शय्याधिवास कराया जाएगा.
- **22 जनवरी:** सुबह पूजन के बाद मध्याह्न काल में मृगशिरा नक्षत्र में रामलला के विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा होगी.

अयोध्या के 84 कोसी परिक्रमा क्षेत्र में नहीं बिक पाएगी शराब, प्राण प्रतिष्ठा से पहले योगी सरकार का बड़ा फैसला

अयोध्या: भव्य राम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा से पहले अयोध्या से बड़ी खबर आई है. गुरुवार को यूपी के आबकारी मंत्री नितिन अग्रवाल ने एलान किया कि अयोध्या के 84 कोसी परिक्रमा क्षेत्र में शराब नहीं मिलेगी. इस इलाके में शराब बिक्री को पूर्ण रूप से प्रतिबंधित किया जाएगा. 84 कोसी परिक्रमा क्षेत्र से सभी शराब की दुकानें हटाई जाएंगी. नितिन अग्रवाल राम मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय से मुलाकात करने अयोध्या आए हैं. उन्होंने बताया कि श्रीराम मंदिर क्षेत्र में पहले ही शराबबंदी लागू हो चुकी है. अब 84 कोस क्षेत्र में भी शराब नहीं बिक पाएगी. इसके लिए जरूरी निर्देश दिए जा चुके हैं.

आपको बता दें कि हाल ही में अयोध्या आए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शराब बिक्री पर रोक लगाने के संकेत दिए थे. दूसरी ओर, पीएम नरेंद्र मोदी के 30 दिसंबर के दौरे पर उनके भव्य स्वागत की तैयारी चल रही है. देशी-विदेशी फूलों और तोरणद्वारों से अयोध्या को सजाया जा रहा है. इसके लिए अयोध्या व आसपास के जिलों के अलावा पश्चिम बंगाल, मथुरा व सीतापुर के 700-800 कारीगर जुटे हैं. अयोध्या को सजाने के लिए कोलकाता, कानपुर, दिल्ली, बेंगलुरु के अलावा विदेश से भी फूल मंगवाए गए हैं.

84 कोसी परिक्रमा मार्ग इन जिलों से होकर गुजरता है

84 कोसी परिक्रमा पांच जिलों बस्ती, गोंडा, अयोध्या, बाराबंकी और अंबेडकरनगर से होकर गुजरती है. परिक्रमा पथ पर चार नैशनल हाइवे हैं. यह मार्ग एनएच 28, एनएच 27, एनएच 135 , एनएच 330 बीकापुर, इनायतनगर से जुड़ता है. बताया जा रहा है कि इस क्षेत्र में 500 से ज्यादा शराब की दुकानें हैं जिन्हें अब हटाया जाएगा. नितिन अग्रवाल ने स्पष्ट किया है कि ये बंदी सिर्फ 84 कोसी परिक्रमा मार्ग पर रहेगी न कि पूरे अयोध्या महानगर में.

9 किमी की दूरी में बनाए जा रहे दो दर्जन प्रवेश द्वार

दूसरी ओर, पीएम मोदी दौरे को लेकर एयरपोर्ट बाईपास से फोरलेन धर्मपथ, साकेत पेट्रोल पंप हनुमानगढ़ी के रास्ते 9 किमी से अधिक दूरी तय करने में दो दर्जन से अधिक तोरणद्वार बनाए जा रहे हैं. यहां रेलिंग व डिवाइडर को फूलों व बुके से सजाया जाएगा. अयोध्या के रहने वाले बालकृष्ण सैनी अपनी टीम के साथ काम में जुटे हैं. उन्होंने बताया कि लगभग 1,44,000 क्विंटल फूल लगाए जाएंगे. इनमें कोलकाता से गेंदा की लड़ी, कानपुर व दिल्ली से अशोक की पत्ती, दिल्ली व बेंगलुरु से विदेशी फूल आएंगे. इनमें आर्केड, कार्नेसन, टाटा रोज, स्टार, डेली, जरबेरा के साथ ही विक्टोरिया, सन अफ इंडिया, पैराग्रास, मनोकोमली, चाइना पत्ती, घोड़ापाम, एरिका पान आदि से सजावट की जाएगी. वहीं गेंदा, गुलाब, रजनीगंधा, कनेर, डहेलिया आदि फूल से भी रास्तों को सजाया जाएगा..

सैनी के मुताबिक उनकी टीम के 700-800 कारीगर रात दिन काम में लगे हुए हैं. इसमें मथुरा-वृंदावन के 250, सीतापुर के 250, पश्चिम बंगाल के 150 कारीगर, स्थानीय स्तर पर 75 कारीगर लगे हैं. अयोध्या के कमिश्नर गौरव दयाल ने बताया कि अयोध्या के हर मार्ग पर बनने वाले प्रवेशद्वार प्रभु राम के भाइयों और उनके प्रिय भक्तों के नाम से बनाए जा रहे हैं.

1 Kg सोना और 7 किलो चांदी से तैयार रामलला की चरण पादुकाएं, देखिए तस्वीरें

रामलला की चरण पादुका को पूरे देश में घुमाया जा रहा है. ये पादुकाएं प्राण प्रतिष्ठा समारोह से पहले 19 जनवरी, 2024 को अयोध्या पहुंच जाएंगी. गत 17 दिसंबर को इन्हें रामेश्वर धाम से अहमदाबाद लाया गया था. तिरुपति बाला जी के बाद इन्हें सोमनाथ भी ले जाया जाएगा.

पादुकाओं के साथ अयोध्या की 41 दिनों तक परिक्रमा

श्रीचल्ला श्रीनिवास शास्त्री ने इन चरण पादुकाओं के साथ अयोध्या की 41 दिन परिक्रमा की थी. पिछले दो सालों से इन पादुकाओं को रामेश्वरम से बदरीनाथा तक सभी प्रसिद्ध मंदिरों में ले जाया जा रहा है.

बेशकीमती रत्नों का भी प्रयोग

इन चरण पादुकाओं में सोने और चांदी के अलावा बेशकीमती रत्नों का भी प्रयोग हुआ है. राम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद भगवान की चरण पादुकाएं भी यहीं पर रखी जाएंगी.

भक्तों को सिर पर रखने का मिला सौभाग्य

अहमदाबाद पहुंची इन चरण पादुकाओं को बालाजी मंदिर के ट्रस्टी के सुब्बारायुडू अपने सिर पर रखकर मंदिर के अंदर ले गए. इसके बाद बालाजी मंदिर के पंडितों ने इसकी विशेष पूजा की. कुछ भक्तों ने इन पादुकाओं को अपने सिर पर भी रखा.

आडवाणी और जोशी नहीं आएंगे

गौरतलब है कि पूर्व उप प्रधानमंत्री आडवाणी और पूर्व मानव संसाधन विकास मंत्री मुरली मनोहर जोशी स्वास्थ्य और उम्र संबंधी कारणों से समारोह में शामिल नहीं हो सकेंगे. दोनों (आडवाणी और जोशी) बुजुर्ग हैं और उनकी उम्र को देखते हुए उनसे न आने का अनुरोध किया गया है, जिसे दोनों ने स्वीकार कर लिया है.

राम मंदिर की थीम वाला नेकलेस भी

गुजरात के सूरत में एक हीरा कारोबारी ने राम मंदिर की थीम पर एक नेकलेस बनाया है. खास बात यह है कि नेकलेस बनाने में 5000 अमेरिकन डायमंड्स और दो किलो चांदी का इस्तेमाल हुआ है. इस नेकलेस को बनाने में 35 दिन लगे और इसे 40 कारीगरों ने मिलकर बनाया है. रासेश ज्वेल्स के डायरेक्टर कौशिक काकडिया ने बताया कि हम अयोध्या में बन रहे राममंदिर से बहुत प्रेरित हैं. हमने 5000 से ज्यादा अमेरिकन डायमंड्स का इस्तेमाल कर इस नेकलेस को बनाया है. यह बिक्री के लिए उपलब्ध नहीं है. हम इसे राम मंदिर को तोहफे में देंगे. हम चाहते थे कि राम मंदिर को कुछ उपहार दें, इसीलिए ये खास नेकलेस बनाया है. इस नेकलेस की लड़ियों में रामायण के मुख्य पात्रों को उकेरा गया है.

छत्तीसगढ़ में मंत्रियों को मिले विभाग, CM विष्णु के पास 5 मंत्रालय

रायपुरः छत्तीसगढ़ में लंबे समय के इंतजार के बाद अब मंत्रियों के विभाग का बंटवारा हो चुका है. इसके लिए सामान्य प्रशासन विभाग ने आदेश भी जारी कर दिए हैं. मुख यमंत्री विष णुदेव साय ने अपने पास पांच विभाग रखे हैं. इसके साथ ही दोनों डेप युटी सीएम को भी अहम विभाग दिए गए हैं. आइए जानते हैं, किस मंत्री को कौन सा विभाग मिला है.

सीएम साय के पास 5 विभाग

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सामान्य प्रशासन विभाग, खनिज, जनसंपर्क, परिवहन और आबकारी विभाग अपने पास रखा है. पहले डिप्टी सीएम अरुण साव को लोक निर्माण साथ पीएचई, विधि, और नगरीय प्रशासन विभाग को मंत्री बनाया गया है. गृह विभाग की कमान डिप्टी सीएम विजय शर्मा को सौंपा गया है. इसके साथ ही शर्मा को पंचायत एवं ग्रामीण विकास के साथ तकनीकी शिक्षा, रोजगार, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग दिया गया है.

क्र.	मंत्री का नाम	सौंपे गए विभाग के नाम
1	विष्णु देव साय, मुख्यमंत्री	सामान्य प्रशासन विभाग, खनिज, जनसंपर्क, परिवहन और आबकारी विभाग
2	अरूण साव, उप मुख्यमंत्री	लोक निर्माण साथ पीएचई, विधि, और नगरीय प्रशासन विभाग
3	विजय शर्मा, उप मुख्यमंत्री	गृह विभाग,पंचायत एवं ग्रामीण विकास के साथ तकनीकी शिक्षा, रोजगार, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग
4	बृजमोहन अग्रवाल, मंत्री	स्कूल शिक्षा, उच्च शिक्षा, संसदीय कार्य, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्य, पर्यटन एवं संस्कृति विभाग
5	राम विचार नेताम, मंत्री	आदिम जाति विकास, अनुसूचित जाति विकास, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक विकास, कृषि विकास एवं किसान कल्याण विभाग
6	दयाल दास बघेल, मंत्री	खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग
7	केदार कश्यप, मंत्री	वन एवं जलवायु परिवर्तन, जल संसाधन, कौशल विकास एवं सहकारिता विभाग
8	लखनलाल देवांगन, मंत्री	वाणिज्य और उद्योग एवं श्रम विभाग
9	श्याम बिहारी जायसवाल, मंत्री	लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, चिकित्सा शिक्षा, 20 सूत्रीय कार्यान्वयन विभाग
10	ओ. पी. चौधरी, मंत्री	वित्त, वाणिज्यिक कर, आवास एवं पर्यावरण योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग
11	लक्ष्मी राजवाड़े, मंत्री	महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण विभाग
12	टंक राम वर्मा, मंत्री	खेलकूद एवं युवा कल्याण, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन

वहीं, मंत्री बृजमोहन अग्रवाल को स्कूल शिक्षा, उच्च शिक्षा, संसदीय कार्य, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व, पर्यटन एवं संस्कृति विभाग मिला है. इसके साथ ही मंत्री राम प्रचार नेताम को आदिम जाति विकास, अनुसूचित जाति विकास, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक विकास, कृषि विकास एवं किसान कल्याण विभाग मिला है. मंत्री दयाल दास बघेल को खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग दिया गया है.

श्याम बिहारी जायसवाल को PHE

मंत्री केदार कश्यप को वन एवं जलवायु परिवर्तन, जल संसाधन, कौशल विकास एवं सहकारिता विभाग का जिम्मा सौंपा गया है. लखन लाल देवांगन को वाणिज्य और उद्योग एवं श्रम विभाग सौंपा गया है. इसके साथ ही श्याम बिहारी जायसवाल को लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, चिकित्सा शिक्षा, 20 सूत्रीय कार्यान्वयन विभाग सौंपा गया है.

लक्ष्मी राजवाड़े को महिला एवं बाल विकास

मंत्री ओपी चौधरी को वित्त, वाणिज्यिक कर, आवास एवं पर्यावरण योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग सौंपा गया है. मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े को महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण विभाग सौंपा गया है. मंत्री टंक राम वर्मा को खेलकूद एवं युवा कल्याण, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन का विभाग सौंपा गया है.

नईदिल्ली. ऑनलाइन गेमिंग वाली मोहब्बत के लिए सरहद पार कर नोएडा आने वाली सीमा हैदर आए दिन सुर्खियों में बनी रहती हैं. कभी उनको लेकर सनसनीखेज दावे किये जाते हैं तो कभी मीडिया को इंटरव्यू देकर वो खुद लाइमलाइट बटोर लेती हैं. सीमा की प्रेग्नेंसी को लेकर कई बार बातें सामने आ चुकी हैं. मां बनने की बात पर सीमा ने नए साल के पहले दिन ही बड़ी बात कह दी है.

प्रेग्नेंट हैं सीमा हैदर! पांचवीं बार बनेंगे सचिन पापा

दरअसल, इंटरव्यू के दौरान सीमा हैदर ने बताया कि वो जल्द ही मां बनेंगी. इस पर जब रिपोर्टर ने पूछा क्या होली तक वो मां बन जाएंगी इस पर सीमा हैदर ने जवाब देते हुए कहा इतनी जल्दी तो नहीं लेकिन हां मेरा और सचिन का एक बच्चा जरूर होगा. सीमा हैदर के प्रग्नेंट होने के सवाल को सचिन के पिता ने भी अपनी बातों से कन्फर्म किया. इंटरव्यू के दौरान सचिन के पिता और सीमा हैदर के ससुर ने कहा कि उन्होंने बहू का हाथ देख लिया है और उसे लड़का ही होगा. सीमा के ससुर ने कहा कि वो जिसका हाथ देखकर बताते हैं वो कभी झूठ नहीं होता. वहीं सीमा हैदर ने इंटरव्यू में बताया कि वो खुद चाहती हैं उसका और सचिन का एक बेबी हो.

बता दें कि, दोनों ने नेपाल के एक मंदिर में शादी की थी जिसके बाद अब सीमा ने कहा है कि साल 2024 में उसके घर एक नन्हा मेहमान आएगा. हालांकि सीमा हैदर के अवैध तरीके से भारत आने के बाद उस पर लोगों ने पाकिस्तान का एजेंट होने का भी आरोप लगाया था जिसके बाद सुरक्षा एजेंसियों ने कई दिनों तक सीमा हैदर से पूछताछ की थी. वहीं सीमा हैदर ने कहा था कि चाहे भले उसकी यहां जान चली आए लेकिन वो अब लौटकर पाकिस्तान नहीं जाएगी. बता दें कि सीमा हैदर के अपने पहले पति गुलाम हैदर से चार बच्चे हैं. सीमा अपने सभी बच्चों को लेकर पाकिस्तान से हिन्दुस्तान आई थीं.

रामलीला, कथा, कीर्तन... प्राण प्रतिष्ठा के बाद भी 'राममय' रहेगी अयोध्या, मकर संक्रांति से होली तक चलेगा उत्सव

लखनऊः उत्तर प्रदेश के अयोध्या में बन रहे राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा के बाद भी अयोध्या राममय रहेगी. मकर संक्रांति से लेकर होली तक उत्सव का माहौल रहेगा. संस्कृति विभाग इसके लिए तैयारी में जुटा है. शहर में जगह-जगह रामलीलाएं, रामकथाएं और भजन कीर्तन के आयोजन होंगे. अयोध्या में राम मंदिर मंदिर में 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा का आयोजन होना है. इसकी भव्य तैयारी मंदिर ट्रस्ट और सरकार कर रही है. उस दिन आम लोग वहां दर्शन नहीं कर पाएंगे. मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा हो जाने के बाद वहां दर्शनार्थी पहुंचेंगे. उम्मीद है कि नए मंदिर को देखने के लिए दूर-दूर से लोग आएंगे. उनके स्वागत के लिए भी संस्कृति विभाग तैयारी में जुटा है. वहां होली तक उत्सव सरीखा माहौल नजर आएगा. अयोध्या शहर में अलग-अलग स्थानों पर रामकथाएं चलती रहेंगी. देश-विदेश के कलाकार आएंगे और रामलीलाओं का मंचन करेंगे. मंदिरों में भजन-कीर्तन होंगे.

सैंड आर्ट और पेंटिंग से सजाया जा रहा

प्रमुख सचिव संस्कृति एवं पर्यटन मुकेश मेश्राम बताते हैं कि यहां राम मंदिर आने वाले दर्शनार्थियों को होली तक उत्सव सरीखा माहौल देखने को मिलेगा. पूरी अयोध्या को कलाकार सजाने में जुटे हैं. सैंड आर्ट, पेंटिंग और रंगोली से सजाया जा रहा है. इसके अलावा धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजन होली तक चलेंगे. शास्त्रीय और लोक संगीत के भी कार्यक्रम होंगे. पूरी अयोध्या में दो महीने तक अलग-अलग जगहों पर धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजन चलते रहेंगे.

पूर्व मंत्री शिव डहरिया ने खाली किया बंगला, गायब मिला लाखों का सामान

रायपुर. प्रदेश में सरकार बदलने के बाद अब पूर्व हो चुके कुछ मंत्रियों ने बंगले खाली कर दिए हैं. ऐसे में कुछ बंगलों से महंगे सामान गायब होने की खबर आ रही है. कांग्रेस शासन में नगरीय प्रशासन रहे मंत्री डॉ. शिव डहरिया ने बंगला खाली कर दिया है, लेकिन उसके बाद उक्त बंगले से लाखों रुपए के सामान गायब होने की बात सामने आई है. नए स्वास्थ्य मंत्री को यह बंगला आवंटित हुआ है, जिसका उन्होंने निरीक्षण किया. उन्होंने यह आरोप लगाया है कि यहां लगे एसी, मॉडच्यूलर किचन समेत कई महंगे सामान गायब हो गए हैं.

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल राज्य सरकार से आवंटित बंगले में शिफ्ट होने से पहले उसका निरीक्षण करने पहुंचे थे, जहां उन्हें कई सामान गायब मिले. उन्होंने इस पर कड़ी आपत्ति जताते हुए लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों से इस बारे में जानकारी ली. उनका आरोप है कि एसी, कांच के दरवाजे, मॉडच्यूलर किचन, टाइल्स, बिजली के महंगे सामान समेत काफी सामग्री यहां से गायब मिली है. उनका कहना है कि पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों को हमने जांच करने और इस संबंध में आगे की कार्रवाई के लिए निर्देश दिए हैं.

रिकवरी होगी, सख्त कार्रवाई भी

छत्तीसगढ़ स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने बताया कि, जो बंगला मुझे मिला है, उसमें जमकर लूट खसोट हुई है. राज्य के इतिहास में पहली बार ऐसा हुआ कि बंगला खाली करने के साथ सामान गायब हुआ हो. पूरे मामले की जांच कराएंगे, जितना भी सामान गायब हुआ, सबकी रिकवरी की जाएगी. जांच के आदेश दिए है, जो भी दोषी पाया जाएगा, उससे वसूली की जाएगी और कुर्की भी की जाएगी.

सबसे बड़े मेडिकल कॉलेज में डॉक्टरों के 89 पद खाली

रायपुर. प्रदेश के सबसे बड़े व पुराने पं. जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज में डॉक्टरों के 89 पद खाली है. इनमें असिस्टेंट प्रोफेसर के 59, सीनियर रेसीडेंट के 10, जूनियर रेसीडेंट के 5 पद व मेडिकल अफसरों के 15 पद खाली है. इन्हें भरने के लिए कॉलेज में 9 जनवरी को वॉक इन इंटरव्यू किया जाएगा.

पिछले 5 साल का ट्रेंड देखने से तो यही लगता है कि यहां सुपर स्पेशलिटी तो छोड़िए स्पेशलिस्ट डॉक्टर भी ज्वाइन नहीं कर रहे हैं. ये भर्ती संविदा के लिए हो रही है. इनमें असिस्टेंट प्रोफेसरों को हर माह 95 हजार, सीनियर रेसीडेंट को 75 व जूनियर रेसीडेंट को 45 हजार हर माह वेतन दिया जाता है. निजी अस्पतालों में इससे ज्यादा वेतन मिलता है. यही वेतन सुपर स्पेशलिटी विभागों के डॉक्टरों के लिए है इसलिए वे भी ज्वाइन करने से हिचकते हैं. कार्डियोलॉजी व कार्डियक सर्जरी विभाग में असिस्टेंट प्रोफेसर के पद खाली है. यही स्थित अंको सर्जरी विभाग में है. वहां मेडिकल अंकोलॉजिस्ट नहीं है.

पद वही, लेकिन वेतन में अंतर

डीकेएस व आंबेडकर अस्पताल के सुपर स्पेशलिटी डॉक्टरों के वेतन में काफी अंतर है. डीकेएस में अलग से ऑटोनामस बाडी है और यह प्रदेश का एकमात्र सुपर स्पेशलिटी अस्पताल है. इसलिए वहां संविदा असिस्टेंट प्रोफेसर को 1.15 लाख, एसोसिएट को 2 लाख व प्रोफेसर को ढाई लाख रुपए हर माह वेतन दिया जाता है. जबकि आंबेडकर अस्पताल में असिस्टेंट प्रोफेसरों को 95 हजार, एसोसिएट को 1.55 लाख व प्रोफेसर को 1.90 लाख रुपए वेतन दिया जा रहा है. डीकेएस का वेतन नियमित सुपर स्पेशलिटी डॉक्टरों से भी ज्यादा है. प्रदेश में बार-बार सुपर स्पेशलिटी डॉक्टरों के लिए अलग वेतन बनाने की मांग की जा रही है, लेकिन इसमें शासन का अड़ंगा है. खाली पदों को भरने के लिए तीन माह बाद इंटरव्यू हो रहा है. अक्टूबर से आचार संहिता लगने के कारण इंटरव्यू नहीं हो पाया था. यह इंटरव्यू हर माह पहले या दूसरे सप्ताह में आयोजित किया जाता है.

डीएमई कार्यालय में अटक गई है फाइल

सुपर स्पेशलिटी डॉक्टरों का वेतन बढ़ाने संबंधी फाइल अभी डीएमई कार्यालय में अटका हुआ है. हालांकि चुनाव के पहले एसीएस हेल्थ रेणु पिल्लै के कार्यालय में फाइल पहुंच चुकी थी. वहां से तीन राज्यों में मिलने वाले सुपर स्पेशलिटी डॉक्टरों का वेतन की जानकारी के लिए फाइल वापस डीएमई कार्यालय भेज दी गई है. अब खुद डॉक्टर तीन राज्यों में मिलने वाले वेतन को खंगाल रहे हैं. हालांकि वे पहले मध्यप्रदेश में डॉक्टरों को वेतन संबंधी जानकारी भेज रहे हैं, लेकिन शासन मध्यप्रदेश का वेतन स्वीकारने के बजाय अब तीन राज्यों का वेतन मंगाया है.

IPS मयंक श्रीवास्तव ने जनसंपर्क आयुक्त का पदभार ग्रहण किया

रायपुर. जनसंपर्क संचालनालय के नए आयुक्त सह संचालक मयंक श्रीवास्तव ने पदभार ग्रहण कर लिया है. नवा रायपुर अटल नगर में जनसंपर्क संचालनालय में उन्होंने जनसंपर्क आयुक्त के साथ ही छत्तीसगढ़ संवाद के मुख्य कार्यपालन अधिकारी का पदभार ग्रहण किया.

निवर्तमान जनसंपर्क आयुक्त दीपांशु काबरा ने श्रीवास्तव को कार्यभार सौंपकर उन्हें नवीन दायित्व के लिए बधाई और शुभकामनाएं दी. इस अवसर पर जनसंपर्क संचालनालय एवं छत्तीसगढ़ संवाद के अधिकारीगण उपस्थित थे.

बता दें कि विष्णुदेव सरकार ने कल देर रात बड़ी प्रशासनिक सर्जरी करते हुए 88 आईएएस अधिकारियों का ट्रांसफर किया. इनमें बड़ी संख्या में सचिवों के साथ 19 कलेक्टरों को भी बदला गया. सरकार ने दिपांशु काबरा की जगह आईपीएस मयंक श्रीवास्तव को जनसंपर्क विभाग की बागडोर सौंपी है. मयंक फिलहाल फायर एंड सेफ्टी में डीआईजी की जिम्मेदारी निभा रहे थे.

आईपीएस मयंक श्रीवास्तव ने सेवा की शुरुआत बस्तर संभाग से की. नारायणपुर में प्रशिक्षु एएसपी रहे. बस्तर में एडिशनल एसपी रहे. इसके बाद इन्हीं दोनों जिलों में एसपी भी रहे. वे दुर्ग, बिलासपुर और कोरबा जिला के भी एसपी रह चुके हैं. 2009 से 2014 के बीच वे अलग-अलग तीन बार राजभवन में एडीसी रह चुके हैं.

आईपीएस मयंक श्रीवास्तव मूल रुप से प्रतापगढ़ (उत्तर प्रदेश) के रहने वाले हैं, लेकिन अब उनका पूरा परिवार इलाहाबाद (प्रयागराज) में बस गया है. मध्यमवर्गीय परिवार से आने वाले मयंक श्रीवास्तव के पिता उत्तर प्रदेश सरकार के पंजीयन विभाग में सब रजिस्ट्रार थे. उनके 4 भाई और 3 बहनें हैं.

नौकरी के साथ सिविल सेवा की भी करते रहे तैयारी

मयंक श्रीवास्तव की प्रारंभिक शिक्षा इलाहाबाद में हुई है. गोविंदनगर बल्लभ पंत एग्रीकल्चर एंड टेक्नालाजी इंजीनियरिंग विश्वविद्यालय से बीई किया. इंजीनियरिंग करने के बाद उन्होंने ने नौकरी शुरू की. एनटीपीसी में सर्विस के दौरान वे सिविल सेवा की भी तैयारी करते रहे. 2005 में सिविल सेवा में चयन हुआ और आईपीएस बन गए.

कला और साहित्य से है लगाव। आईपीएस मयंक श्रीवास्तव को कला और साहित्य से बेहद लगाव है. नाटक लिखना उन्हें बेहद पसंद है. मयंक श्रीवास्तव सोशल मीडिया में अपना लिखा नाटक और कहानियां पोस्ट करते रहते हैं. उन्हें नाटकों में अभिनय भी किया है. स्कूल और कॉलेज की पढ़ाई के दौरान उन्होंने कई नाटकों का मंचन भी किया है.

प्रदेश के सबसे बड़े रेस्क्यू ऑपरेशन को दिया अंजाम

आईपीएस मयंक श्रीवास्तव वर्तमान में एसडीआरएफ के डीआईजी हैं. इस पद पर रहते उन्होंने कई बचाव और राहत के ऑपरेशनों को सफलता पूर्व अंजाम दिया है. प्रदेश के अब तक के सबसे बड़ा रेस्कूय ऑपरेशन भी मयंक श्रीवास्तव के नेतृत्व में चला था. यह रेस्कूय ऑपरेशन जांजगीर में बोरवेल मे गिरे राहुल साहू नाम के बच्चे को बाहर निकालने के लिए चलाया गया था. करीब 110 घंटे चला यह ऑपरेशन सफल रहा.

बालों को चंपी करने से मिलता है बहुत फायदा, जाने किस आयल से करें हॉट चम्पी

बदलते मौसम और पॉल्यूशन से जिस तरह आप अपनी त्वचा की सुरक्षा के लिए उसकी एक्स्ट्रा केयर करती हैं, वैसे ही बालों की देखभाल के लिए आपको उन्हें एक्स्ट्रा केयर देने की जरूरत होती है. बालों की साफ-सफाई के साथ-साथ आपको उन्हें नरिश भी करना चाहिए. खासतौर पर बालों को नरिश करने का सबसे आसान और अच्छा तरीका है उनमें ऑयलिंग करना यानी चंपी करना. ऑयलिंग करने से बालों को उचित पोषण तो मिलता ही साथ ही उनका रूखापन भी दूर होता है.वैसे तो बालों में तेल लगाना कोई मुश्किल काम नहीं हैं, मगर आप बालों में हॉट ऑयल मसाज करती हैं तो आपके बालों की चमक और मजबूती बढ़ सकती है, साथ ही आपको और भी कई फायदे हो सकते हैं. चलिए हम आपको बताते हैं कि अगर आप नियमित अंतराल पर हाट ऑयल हेयर मसाज करती हैं, तो इससे आपके बालों को क्या लाभ मिल सकता है.

हेयर ग्रोथ

बालों की ग्रोथ पर कई चीजों का असर पड़ता है. केवल धूल मिट्टी या फिर खान-पान के कारण ही नहीं बल्कि ज्यादा स्ट्रेस लेने के कारण भी बालों की ग्रोथ रुक जाती है. अगर आप गर्म तेल की चम्पी करती हैं तो इससे आपका स्ट्रेस दूर होगा और आपको रिलीफ मिलेगा. यह आपके स्कैल्प का ब्लड सर्कुलेशन भी अच्छा करता है. इससे भी आपके बालों की ग्रोथ पर प्रभाव पड़ता है. बालों मे गर्म तेल की मालिश से आपको अच्छी नींद भी आती है. इसलिए हो सकते तो आपको रोज ही कैस्टर ऑयल या फिर कोकोनट ऑयल से बालों की मसाज करनी चाहिए.

हेयर फॉल रोकना

आपके बाल अगर अधिक झड़ते हैं तो आपको गर्म तेल की मसाज करनी चाहिए. खासतौर पर आपको विटामिन E युक्त बादाम के तेल का इस्तेमाल बालों की चम्पी करने के लिए करना चाहिए. यह आपके झड़ते हुए बालों को मजबूत बनाएगा. आपको लंबे और शाइनी हेयर चाहिए तो भी आपको रोजाना बालों को गर्म तेल से मसाज देनी चाहिए. हॉट ऑयल हेयर मसाज से आपके बालों के क्यूटिकल्स भी रिपेयर होते हैं. यह आपके बेजान बालों को नई लाइफ देते हैं.

कंडीशनर करना

अगर आप के बाल बहुत रूखे हो रहे हैं तो आपको उनकी कोकोनट ऑयल से कंडीशनिंग करनी चाहिए. यह आपके बालों के फॉलिकल्स को आसानी पेनिट्रेट करता है और उन्हें जड़ों से मॉइश्चराइज करता है. अगर आप ऐसा रोज करती हैं तो आपको बालों पर किसी भी तरह के केमिकल युक्त कंडीशनर यूज करने की जरूरत नहीं पड़ेगी.

डैंड्रफ दूर करे

अगर आपके बालों में बहुत डैंड्रफ हैं और ट्रीटमेंट के बाद भी ठीक नहीं हो रहे तो आपको इसके लिए अपने बालों में टी ट्री ऑयल से मसाज करनी चाहिए. यह आपके बालों से डैंड्रफ को दूर करके उन्हें एकदम क्लीन कर देंगे.

स्ट्रेटनिंग करे

अगर आपको स्ट्रेट बालों का शौक है तो आप अपने बालों को रोज हॉट ऑयल मसाज देनी चहिए. इसे लिए आप कोई भी तेल यूज कर सकती हैं. तेल को गरम करके बालों की जड़ों से लेकर लेंथ तक लगाएं. इससे आपके बालों को शाइनिंग के साथ-साथ स्ट्रेट लुक भी मिलेगा. आप जब बालों को शैंपू करेंगी तो आपके बाल सूखने के बाद काफी हद तक स्ट्रेट नजर आएंगे.

दोमुंहे बाल से छुटकारा

पल्यूशन और मौसम के बदलाव के कारण बहुत सारी महिलाओं के बाद दोमुंहे हो जाते हैं. ऐसे बाल रूखे होने के बाद झड़ना शुरू कर देते हैं. साथ ही ऐसे बालों की ग्रोथ भी कम हो जाती है. अगर आप चाहती हैं कि आपके बाल दोमुंहे न हों तो इसके लिए सबसे पहले इन्हें कोकोनट ऑयल से नरिशमेंट दें और बालों को हमेशा कवर करके रखें.

फ्रीजीनेस

भारत का मौसम ज्यादतर गरम रहता है. साथ ही यहां उमस भरी गरमी पड़ती हैं. इससे भी बाल फ्रीजी हो जाते हैं. ऐसे में कई महिलाएं यह सोच कर बालों में तेल नहीं लगातीं क्योंकि उन्हें लगता है कि बाल चिपचिपे हो जाएंगे. जबकि बालों को नमी की जरूरत होती है क्योंकि बाल रूखें हो जाते हैं. इसलिए आपको रोज हॉट ऑयल मसाज करनी चाहिए और बालों को माइल्ड शैंपू से वॉश भी करना चाहिए.

राहुल, सोनिया, येचुरी..
राम के अंगने में कौन-कौन?

नई दिल्लीः जैसे-जैसे राम मंदिर में रामलला के मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा का वक्त नजदीक आ रहा रहा है वैसे-वैसे सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच बयानों के बाण भी खूब चलने लगे हैं. लोकसभा चुनाव से पहले राम मंदिर फिर से सियासी मुद्दा बनता जा रहा है. 22 जनवरी को होने राम मंदिर कार्यक्रम के लिए निमंत्रण पत्र बांटे जा चुके हैं. सोनिया गांधी से लेकर पूर्व पीएम मनमोहन सिंह तक का निमंत्रण भेजा गया है. लेकिन अब विपक्ष एक धार्मिक कार्यक्रम का राजनीतिकरण को लेकर केंद्र सरकार को घेरने की कोशिश कर रही है. चूंकि महज चार महीने बाद लोकसभा चुनाव होने हैं ऐसे में ये मुद्दा सियासी रूप लेता जा रहा है.

सीपीएम ने कार्यक्रम से बना ली दूरी

कांग्रेस नेता सोनिया गांधी ने अभी तक इस कार्यक्रम में शामिल होने को लेकर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की है. अलबत्ता एमपी के पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह ने जरूर उन्हें निमंत्रण नहीं देने को मुद्दा बनाया है. इस बीच, सीपीएम ने राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा के कार्यक्रम में नहीं जाने का ऐलान किया है. पार्टी नेता वृंदा करात ने धार्मिक गतिविधि को राजनीतिक रंग देने का आरोप लगाते हुए इस कार्यक्रम के पार्टी के दूर होने के फैसले को सही ठहाराया है. करात ने कहा, श्नहीं, हम वहां नहीं जाएंगे. हमें धार्मिक आस्था का सम्मान है. लेकिन वे इस धार्मिक आयोजन को राजनीति से जोड़ रहे हैं. धर्म का इस्तेमाल राजनीतिक हथियार के तौर पर इस्तेमाल करना सही नहीं है.श माना जा रहा है एक अन्य वाम दल सीपीआई पर इस कार्यक्रम से दूर रह सकती है.

सियासत की चालः लोकसभा चुनाव में क्या बीजेपी लगाएगी हैट्रिक, चुनाव से पहले राज्य बन जाएंगे रण बीजेपी के लिए राम मंदिर का निर्माण एक चुनावी वादा था. 2024 के चुनाव में भगवा दल इस मुद्दे को लेकर जनता के बीच जाएगी. बीजेपी नेता और केंद्रीय मंत्री मीनाक्षी लेखी ने करात के फैसले पर निशाना साधते हुए कहा कि निमंत्रण तो सभी के भेजा गया है लेकिन आएंगे वही जिन्हें भगवान राम बुलाएंगे. हालांकि, ऐसा नहीं है कि केवल वाम दल ही निमंत्रण को अस्वीकार कर रहे हैं. पूर्व कांग्रेस नेता और राम मंदिर के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में मुस्लिम पक्ष के वकील कपिल सिब्बल भी बीजेपी को निशाने पर ले रहे हैं. सिब्बल ने कहा कि राम तो मेरे दिल में हैं. इसलिए मुझे नहीं लगता कि इस कार्यक्रम जाने की जरूरत है. ये चुनाव से पहले बीजेपी का शक्ति प्रदर्शन है.

सिब्बल के निशाने पर बीजेपी

सिब्बल यही नहीं रुकते हैं बल्कि बीजेपी पर और भी निशाना साधते हैं. उन्होंने कहा कि वे राम की बात करते हैं लेकिन उनके चरित्र के आसपास भी नहीं हैं. सिब्बल ने कहा कि राम के अंदर सत्य, सहिष्णुता, बलिदान और आदर के गुण से थे लेकिन बीजेपी तो ठीक इसके उलट है. उसे तो राम के गुण सबसे पहले अपने दिल में बसाने चाहिए.

विपक्षी दलों के हमलों को अब बीजेपी नेता भी पूरी ताकत से जवाब दे रहे हैं. महाराष्ट्र के डेप्युटी सीएम देवेंद्र फडणवीस ने पलटवार करते हुए कहा कि जो हमारा इस बात को लेकर मजाक बनाते थे कि मंदिर की तारीख नहीं बताएंगे तो मैं उन्हें चुनौती देता हूं कि अगर उनमें हिम्मत है तो वे अयोध्या आएं हम उन्हें राम मंदिर दिखाएंगे.

कांग्रेस ने बना रखा है सस्पेंस

लेफ्ट और सिब्बल ने तो अपने मन की बात रख दी है. लेकिन कांग्रेस पार्टी ने अभी तक राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा में शामिल होने को लेकर अपने पत्ते नहीं खोले हैं. सोनिया गांधी के अलावा अधीर रंजन चौधरी और पूर्व पीएम मनमोहन सिंह को भी बुलाया गया है लेकिन ये पता नहीं चल पाया है कि राहुल गांधी को निमंत्रण भेजा गया है या नहीं.

कांग्रेस के लिए दुविधा की घड़ी!

बीजेपी की प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस ने राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा में जाने को लेकर फूंक-फूंककर कदम रख रही है. उसे अगर उसके नेता निमंत्रण स्वीकार करते हैं तो पार्टी को अल्पसंख्यकों खासकर मुस्लिम समुदाय के वोट झिटकने का डर सता रहा है.

यूपी में 80 लोकसभा सीटें हैं और मुस्लिम वोट इस राज्य में काफी अहम हैं. देश की 20 फीसदी आबादी भी मुस्लिमों की है. ऐसे में कांग्रेस ने अभी तक पत्ते नहीं खोले हैं. पार्टी महासचिव केसी वेणुगोपाल निमंत्रण की बात तो मानी है लेकिन पार्टी नेताओं के उस कार्यक्रम में जाने को लेकर कहा कि ये आपको 22 जनवरी को ही पता चलेगा. वेणुगोपाल ने कहा कि उन्होंने हमें बुलाया है, हम इसके लिए उनका धन्यवाद करते हैं. इस मामले को हम देख रहे हैं.

दिग्विजय सिंह का छलका दर्द

उधर, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह का राम मंदिर कार्यक्रम के लिए उन्हें बुलावा नहीं मिलने पर दर्द भी छलका है. उन्होंने खुद को निमंत्रण नहीं मिलने पर बीजेपी पर निशाना साधा है. उन्होंने कहा कि पता नहीं उन्हें क्या तकलीफ थी. पार्टी नेताओं के इस कार्यक्रम में जाने को लेकर दिग्विजय ने कहा कि या तो सोनिया गांधी जाएंगी या फिर पार्टी का प्रतिनिधिमंडल वहां जाएगा.

आडवाणी, जोशी के जाने पर भी संशय

राम आंदोलन के अगुआ रहे वयोवृद्ध बीजेपी नेता लालकृष्ण आडवाणी और मुरली मनोहर जोशी के भी अयोध्या जाने को लेकर अभी संशय की स्थिति है. आडवाणी और जोशी को निमंत्रण तो भेजा जा चुका है लेकिन अभी उन्होंने अयोध्या जाने को लेकर उन्होंने कोई बयान जारी नहीं किया है. वीएचपी ने कहा कि दोनों वरिष्ठ नेता हैं और वो अयोध्या की कोशिश करेंगे.

वीडियो गेम... किशोरी के डिजिटल स्वरूप से 'गैंग रेप'

लंदन. ब्रिटिश पुलिस 'वर्चुअल गैंग रेप' के एक मामले की जांच कर रही है. ब्रिटिश अखबार डेली मेल की रिपोर्ट के मुताबिक ब्रिटेन में मेटावर्स पर वर्चुअल रियलिटी वीडियो गेम के दौरान 16 साल की एक किशोरी के डिजिटल स्वरूप (अवतार) के साथ पुरुषों के अवतारों के एक समूह ने रेप किया. मेटावर्स की वर्चुअल दुनिया में छेड़छाड़ और रेप की घटनाएं इससे पहले भी हो चुकी हैं, लेकिन शायद यह पहला मामला है, जिसकी पुलिस ने जांच-पड़ताल शुरू की है.

रिपोर्ट के मुताबिक किशोरी एक इमर्सिव गेम में वर्चुअल रियलिटी (वीआर) हेडसेट का इस्तेमाल कर रही थी. तभी उसके अवतार पर कथित तौर पर कई पुरुषों का प्रतिनिधित्व करने वाले अवतारों ने हमला बोल दिया और उसके साथ वर्चुअली गैंग रेप किया. किशोरी को रेप पीड़िता जैसी मानसिक प्रताड़ना सहनी पड़ी.

ब्रिटेन के गृहमंत्री जेम्स क्लेवरली ने मामले की जांच का समर्थन किया है. उन्होंने एक टीवी शो में कहा, इस तरह के वर्चुअल अपराध को गंभीरता से लेने की जरूरत है. मुझे पता है कि इसे वास्तविक नहीं होने के रूप में खारिज करना बहुत आसान है, लेकिन ऐसे अपराध की अनदेखी से वर्चुअल दुनिया में इनकी बाढ़ आ सकती है. बच्ची जिस मानसिक आघात से गुजरी है, वह पीड़ा देने वाला है.

मेटा का ऑनलाइन गेम सवालों के घेरे मे

ब्रिटेन में मेटा के वीडियो गेम होराइजन वर्ल्ड्स पर यौन दुर्व्यवहार की कई घटनाएं पहले भी हो चुकी हैं, लेकिन कानूनी कार्रवाई नहीं की गई थी. एक ब्रिटिश महिला (43) ने 2022 में आरोप लगाया था कि मेटावर्स पर उसका वर्चुअल यौन उत्पीड़न किया गया. तीन-चार पुरुष अवतारों ने उसके अवतार के साथ गैंगरेप किया और तस्वीरें भी लीं.

ORGALIFE®

Eat Organic, Stay Healthy

CERTIFIED ORGANIC PRODUCTS

Range of 100% Natural & Eco Friendly Products

Product	MRP	Price
हिमालयन पिंक सॉल्ट	~~140/-~~	120/-
आर्गेनिक गुड	~~130/-~~	115/-
आर्गेनिक गुड पाउडर	~~130/-~~	115/-
गुड चना	~~150/-~~	135/-
गुड खुरचन	~~115/-~~	94/-
गुड पान	~~140/-~~	125/-
गुड पाचक	~~140/-~~	120/-
टी मसाला	~~175/-~~	160/-
रेड राइस	~~180/-~~	160/-
ब्लैक राइस	~~180/-~~	165/-
ब्राउन राइस	~~125/-~~	155/-
रामजीरा राइस	~~210/-~~	190/-
दुबराज राइस	~~160/-~~	145/-
हर्बल सोप	~~170/-~~	155/-
नारियल तेल	~~560/-~~	545/-
लाल मिर्च पाउडर	~~110/-~~	95/-
A2 घी	~~430/-~~	410/-
आम का अचार	~~175/-~~	154/-
मिक्स दाल	~~130/-~~	115/-
मसूर दाल	~~125/-~~	110/-
चना दाल	~~110/-~~	90/-
मूंग दाल (बिना छिलका)	~~130/-~~	115/-
उड़द दाल (छिलका)	~~130/-~~	115/-
झुरगा	~~125/-~~	110/-
काबूली चना	~~160/-~~	145/-
राजमा जम्मू	~~145/-~~	120/-
मल्टी ग्रेन दलिया	~~110/-~~	85/-
मूंग दाल (छिलका)	~~140/-~~	120/-
सुजी	~~80/-~~	60/-
साबुत चना	~~95/-~~	75/-
गेंहू आटा	~~110/-~~	85/-
चना बेसन	~~115/-~~	90/-
उड़द दाल(बिना छिलका)	~~140/-~~	120/-
अरहर दाल	~~145/-~~	130/-
रागी फ्लोर	~~110/-~~	85/-
राइस पोहा	~~90/-~~	77/-

More Then 100+ Organic Grocery Products

Add.: Magneto Mall, Basement infront of Smart Bazar, Raipur (C.G.)
E-kart Shop at Spree Walks, Marine Drive, Telibandha, Raipur (C.G.)

Scan & Shop Now

ORGALIFE®

Organic Store On Wheel

START YOUR OWN BUSINESS WITH MINIMUM INVESTMENT

LOW INVESTMENT
HIGH MARGIN

- Low investment.
- Zero Royalty.
- Product Support.
- High-Profit Margin.
- Easy to Work Model.
- Setup in Minimum Cost.
- Moisture control & Vacuum packaging.
- Organic cultivation standards have been adhered by our farmers.
- Software Oriented Billing & Inventory System.
- Inventory Support.
- Advertisement Support.
- Get Online Orders Through Our Website.

Connect on

For More Info Please Call: +91- 97551 36336 www.orgalife.in care@orgalife.in

Follow us on